NEWS CFM 24 x 7 COALFIELD MIRROR हर पल आपके साथ

कोलफील्ड मिरर

Website : coalfieldmirror.com

हर पल आपके साथ

शुभ प्रभात JUPITER FOUNDATION

कोलकाता | मंगलवार 30 अप्रैल 2024 | वर्ष-07 | अंक-1014 | पृष्ट-06 | RNI (TA) No. 2022027633

यूसीसी से हिंदुओं को कोई फायदा नहीं, ये सिर्फ बीजेपी की राजनीतिक चाल- ममता बनर्जी

कोलफील्ड मिरर 30 अप्रैल (कोलकाता): तृणमूल सुप्रीमो सह मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को लोकसभा चुनाव के बीच एक बार फिर समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का मुद्दा उठाया. ममता ने इसे बीजेपी की राजनीतिक चाल करार देते हुए कहा कि यूसीसी से हिंदुओं को कोई फायदा नहीं होगा. मुर्शिदाबाद जिले के अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों में बैक-टू-बैक रैलियों को संबोधित करते हुए बनर्जी ने भाजपा पर मतदान के शुरुआती चरणों में हार के डर से विभाजनकारी रणनीति का सहारा लेने का आरोप लगाया.

ममता बनर्जी ने कहा, "जब भी चुनाव होते हैं, वे सांप्रदायिक तनाव भड़काने के लिए किसी न किसी मुद्दे का इस्तेमाल करते हैं. इस बार वे यूसीसी के बारे में बात कर रहे हैं और प्रचार कर रहे हैं कि यह एक विशेष समुदाय के खिलाफ है लेकिन यह यूसीसी राजनीतिक बयानबाजी के अलावा और कुछ नहीं है और इसमें हिंदू नहीं हैं." बनर्जी ने कहा कि देश भर में भाजपा विरोधी भावना बढ़ रही है जो पहले दो चरणों के मतदान के बाद स्पष्ट हो गई है.

उन्होंने कहा, "पहले दो चरणों में मतदान के पैटर्न और प्रतिशत को देखने के बाद, हम विश्वास के साथ कह सकते हैं कि भाजपा हार गई है. शेष पांच चरणों में भी, उन्हें हार का सामना करना पड़ेगा. भय और घबराहट ने भाजपा को जकड़ लिया है. भगवा खेमे की हार यह केवल समय की बात है." टीएमसी प्रमुख ने बंगाल में भाजपा नेताओं पर राज्य में लगभग 26,000 स्कूली नौकरियों को रद्द करने में शामिल होने का आरोप लगाया. उन्होंने कहा, "अगर किसी ने गलती की है तो उसे सुधारा जा सकता है, लेकिन 26,000 नौकरियां छीनना अस्वीकार्य है. यह भाजपा की एक चाल है. उस भाजपा को वोट न दें जिसने आपकी नौकरियां छीन ली हैं.

पिछले हफ्ते, कलकत्ता हाईकोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा प्रायोजित और सहायता प्राप्त स्कूलों में राज्य स्तरीय चयन परीक्षा-2016 (एसएलएसटी) की भर्ती प्रक्रिया को "अमान्य और शून्य" घोषित कर दिया, इसके माध्यम से की गई सभी नियुक्तियों को रद्द करने का आदेश दिया. उन्होंने कहा कि देश में आजादी के बाद से सबसे अधिक बेरोजगारी दर होने के बावजूद भाजपा नेता "नौकरियां छीन रहे हैं. हम नौकरियां दे रहे हैं, 10 लाख से ज्यादा नौकरियां तैयार हैं.

रहे सावधान, 100 साल का सबसे भीषण गर्म हवा चलने की संभावना

कोलफील्ड मिरर 30 अप्रैल (रानीगंज): रानीगंज विज्ञान मंच के पूर्व अध्यक्ष कलोल घोष ने अपने सदस्यों के साथ बैठक करते हुए आगामी मंगलवार को प्रचंड गर्मी के साथ काल बैसाखी की संभावना को लेकर चर्चा की। रानीगंज क्षेत्र के लोगों को सूचित किया जाए एवं ऐसे स्थिति में उन्हें सहयोग कैसे की जाए इस पर विस्तृत चर्चा करते हुए कहा कि मौसम विभाग की सूचना है कि पूरे दक्षिण बंगाल में पिछले 100 साल का सबसे भीषण गर्म हवा चलने वाला है। जिसके कारन लाल हीट वेव रिंग चक्र मंगलवार को अपने चरम पर पहुंच जाएगा। मंगलवार को सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक तेज बारिश की भी संभावना है। सूचना है कि 30 मिनट से 1 घंटे तक धूप में रहने से लू लगने, बेहोश होने की संभावना रहती है। सूरज की रोशनी से नकसीर और चक्कर आ सकते हैं। जिसकी वजह से मौत भी हो सकती है।

आईएमए के पूर्व अध्यक्ष अनिर्बन घोष कहा कि इस प्रकार के मौसम के लिए सुरक्षा के दृष्टिकोण से जरूरत है घर से निकलते वक्त ओआरएस का बोतल साथ रखें और पूरी तरह से अपने शरीर को सादे कपड़े से ढक कर निकले। शरीर के अंदर पानी की कमी नहीं होनी चाहिए। एक और भी अति आवश्यक सावधानी है की गर्मी से आने के बाद ठंडा पानी का इस्तेमाल बिल्कुल ना करें।

गर्मी व लू को देखते हुए बाजार में गमछा आदि की बिक्री भी काफी बढ़ गई है। धूप व लू को देख लोग बिना गमछा के घरों से नहीं निकल रहे हैं। ऐसे में गर्मी व लू से परेशान लोगों को कहीं से भी राहत नहीं मिल रही है। गमछा के दुकानों पर अच्छी-खासी बिक्री हो रही है। रानीगंज मारवाड़ी युवा मंच एवं फ्रेंड्स क्लब का रानीगंज की ओर से शहर के अंदर मोबाइल पियाऊ के माध्यम से पीने की पानी की व्यवस्था की गई है इसमें प्रावधान है टोटो के ऊपर पानी एवं ओआरएस की व्यवस्था की गई है।

किशोर जीवन की समस्याओं पर आदिवासी किशोरी ने लिखी पुस्तक

-- "इकोज़ ऑफ इनोसेंस" का हुआ समारोहपूर्वक विमोचन
-- किशोर मन की उलझनों पर विस्तार से चर्चा

तारकेश कुमार ओझा

कोलफील्ड मिरर 30 अप्रैल (खड़गपुर/ मेदिनीपुर): आज के समाज में जब एक किशोर का जीवन मोबाइल उपकरणों से घिरा हुआ है,

वहीँ मेदिनीपुर शहर में जैक्स पॉल रेजीडेंसी के सम्मेलन हॉल में आदिवासी किशोरी तोरसा मुर्मू द्वारा लिखित पुस्तक "इकोज़ ऑफ इनोसेंस" का विमोचन किया गया। मेदिनीपुर शहर के डॉक्टर सुबल कुमार मुर्मू की 13 वर्षीय बेटी तोरसा ने कोविड काल में लिखना शुरू किया। तोरसा का कहना है कि लेखन के लिए उनकी पहली प्रेरणा उनकी माँ थीं। और यह रचना 'इकोज़ ऑफ़ इनोसेंस' उनकी किशोर जीवन यात्रा और चरम अनुभव की अभिव्यक्ति है।

यह पूछे जाने पर कि किताब का विषय और तोरसा का जीवन कहाँ समान है, तोरसा कहती हैं, "मैं एक किशोरी हूं इसलिए मैं किसी भी किशोर को बहुत कुछ समझती हूं। किशोर जीवन इतना आसान नहीं है।

ऐसा लगता है कि कोई भी हमें समझने की कोशिश नहीं करता है..."। "इकोज़ ऑफ इनोसेंस" अवंतिका सेन के जीवन को दर्शाता है, जहां एक किशोरी किशोरावस्था में प्रवेश करती है। चुनौतियाँ, गुस्सा और समझने और ध्यान केंद्रित करने की चाहत अक्सर जीवन के इस परिवर्तनकारी चरण को परिभाषित करती है। ज

िंदगी की राह सिर्फ गुलाबों से ही नहीं, कांटों से भी बनी है। यह एक ऐसी किताब है जो हमें कठिनाइयों से आगे बढ़ने के लिए कहती है। अगर कोई इसे पढ़ने के बाद इससे कुछ सीखता है तो मैं इसकी बहुत सराहना करूंगी। वर्तमान पीढ़ी को केवल मोबाइल फोन में व्यस्त नहीं रहना चाहिए बल्कि अपने विभिन्न शौक, चाहे वह नृत्य, गायन, कविता पढ़ना, पेंटिंग, लेखन हो, के साथ भी आगे आना चाहिए।

पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में मेदिनीपुर समेत पश्चिम बंगाल के विभिन्न हिस्सों से आये जाने-माने डॉक्टरों के अलावा आईआईटी खड़गपुर के मैटेरियल साइंस के प्रोफेसर भानु भूषण खाटुआ, कोलकाता के आईबीटीएम के निदेशक स्वपन सोरेन, विद्यासागर शिशु निकेतन की प्रधान शिक्षिका शबनम दत्ता, मेदिनीपुर कॉलेज के प्रोफेसर सुजीत डे, शिक्षक सौविक बांकुड़ा, झाड़ग्राम मेडिकल कॉलेज के दुर्लभ चंद्र मांडी, अनिल कुमार मुर्मू और प्रतिष्ठित शिक्षक और विद्वान उपस्थित रहे।

सीतारामपुर आरपीएफ ने चलाया रेलवे ई- टिकट के अवैध कारोबारियों के विरुद्ध छापामारी अभियान

कोलफील्ड मिरर 30 अप्रैल (नियामतपुर): आसनसोल रेल मंडल के सीतारामपुर आरपीएफ निरीक्षक प्रभारी लखन मीणा के नेतृत्व मे रेलवे ई- टिकट के अवैध कारोबारियों के विरुद्ध अभियान चलाकर छापामारी किया गया। छापामारी अभियान में एसआई मदन पासवान, एसआई बंटी के अलावा अन्य जवान मौजूद थे।

बताया गया कि सीनियर डीएससी/ एएसएन के निर्देशानुसार तथा गुप्त सूत्रों से मिली सूचना के आधार पर छापामारी अभियान चलाया गया। इस संबंध में बताया जाता है कि आसनसोल रेल मंडल के सीतारामपुर आरपीएफ द्वारा रेलवे की टिकट के अवैध कारोबारी के विरुद्ध सालानपुर अंतर्गत न्यू मार्केट हिंदुस्तान केबल्स रूपनारायणपुर मे स्थित डिजिटल पेमेंट सर्विस नमक दुकान में अवैध रेलवे की टिकट के विरुद्ध अभियान चलाते हुए छापामारी किया गया। इस दौरान एक व्यक्ति को हिरासत में भी लिया है, उसका नाम मनोजित दे उम्र 33 वर्ष बताया गया। जो गांव कल्याण ग्राम दो नंबर वीरेंद्र पल्ली रूपनारायणपुर का रहने वाला है। उसके पास से लाइव टिकट तथा 55 पुराने टिकट जप्त किए गए हैं। जिसकी कीमत 63 हजार 668 रुपये है। अधिकारियों ने सफेद रंग का एंड्रॉयड फोन रियलमी, एक पुराना और इस्तेमाल किया हुआ सफेद रंग का प्रिंटर, एक पुराना और इस्तेमाल किया हुआ सफेद रंग का नोटपैड और 450 रुपये की नकदी बरामद किया है। इस संबंध में गिरफ्तार व्यक्ति के खिलाफ रेलवे अधिनियम, 1989 की धारा 143(i)(a) के तहत रविवार को आरपीएफ पोस्ट सीतारामपुर में मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तार व्यक्ति को सोमवार को एलडीसीजेएम आसनसोल को भेजा जाएगा।

ईसीएल झांझरा में मना कार्य स्थल पर सुरक्षा और स्वास्थ्य का विश्व दिवस

कोलफील्ड मिरर 30 अप्रैल (पांडवेश्वर): ईसीएल के झांझरा परियोजना कोलियरी में कार्यस्थल पर सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिए आईएलओ का विश्व दिवस मनाया गया, क्षेत्र के महाप्रबंधक आर सी महापात्रा ने सुरक्षा धवज फहराने के बाद खान सुरक्षा और स्वास्थ्य प्रथाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाने को लेकर संबोधित किया,

इससे पहले झांझरा के डीजीएम टीके कोले और प्रबंधक एस के सिन्हा ने महाप्रबंधक को फूल का गुलदस्ता देकर स्वागत किया, उसके बाद महाप्रबंधक समेत अधिकारियों कर्मियो ने कार्य स्थल पर सुरक्षा और स्वास्थ्य को लेकर सपथ लिया, महाप्रबंधक समेत अधिकारियो ने हीटवेव से निपटने और अधिकतम उत्पादकता के लिए सुरक्षा को प्राथमिकता देने के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा की हमलोगो को अपनी कार्य स्थल पर भी सुरक्षा के साथ स्वास्थ्य को लेकर जागरूक रहने की जरूरत है तभी हम अपनी कार्यों को सुगमता के साथ कर सकते है,

इस अवसर पर झांझरा क्षेत्र के चिकित्सा अधिकारी ने भी हिट वेव और खान पान को लेकर अपना सुझाव दिया, कर्मियो के बीच स्वास्थ्य पर जानकारी प्राप्त करने को लेकर पुस्तक का भी वितरण किया गया, चानक पीट पर वीडियो के माध्यम से जागरूक भी किया गया.

ममता बनर्जी के आगमन को लेकर सभा स्थल का अधिकारियो ने लिया जायजा

कोलफील्ड मिरर 30 अप्रैल (मालदा): मुख्यमंत्री ममता बनर्जी मंगलवार दोपहर एक बजे उत्तर मालदा के तृणमूल प्रत्याशी प्रसून बनर्जी के समर्थन में हरिश्चंद्रपुर थाना क्षेत्र के तुलसीहाटा बीरेंद्र कुमार मैत्र उप बाजार चौक में एक जनसभा में आ रही हैं. हेलीपैड का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। सभा मंच और पंडाल बनाने का काम जोर-शोर से चल रहा है. सोमवार सुबह ममता बनर्जी की सुरक्षा टीम ने हेलीकॉप्टर का ट्रायल किया. प्रशासनिक अधिकारी ने जांचा कि हेलीपैड उतारना कितना सुरक्षित रहेगा. इस दिन उनके साथ पश्चिम बंगाल के राज्य मंत्री तजमुल हुसैन समेत जिला महासचिव मंगलुद्दीन, बुलबुल खान, कृषि पदाधिकारी रबीउल इस्लाम, पंचायत समिति सदस्य सपन अली समेत अन्य तृणमूल नेता व कार्यकर्ता थे.

भाजपा प्रत्याशी सौमित्र खान ने धोती कुरता पहन और हाथ में गीता लेकर नामांकन दाखिल किया

कोलफील्ड मिरर 30 अप्रैल (बाँकुड़ा): पंजाबी धोती पहने हुए. एक हाथ में गीता. और इसके साथ ही, बिष्णुपुर लोकसभा के भाजपा उम्मीदवार सौमित्र खान ने बांकुरा के जिला मजिस्ट्रेट के कार्यालय में जाकर अपना नामांकन दाखिल किया। इससे पहले, उन्होंने बांकुरा के प्रसिद्ध एकतेश्वर मंदिर में पूजा की।

बांकुरा की बिष्णुपुर सीट पर छठे चरण में 25 मई को मतदान होगा. चुनाव आयोग की घोषणा के अनुसार, चुनाव के छठे चरण का नामांकन चरण आज से शुरू हो गया है। वहीं, पहले दिन बिष्णुपुर लोकसभा क्षेत्र के बीजेपी उम्मीदवार सौमित्र खान ने बांकुरा के जिलाधिकारी के कार्यालय में जाकर अपना नामांकन दाखिल किया. सौमित्र खान सुबह सात बजे बांकुरा के प्रसिद्ध एकतेश्वर मंदिर में दर्शन किये. उन्होंने वहां जाकर अपनी पत्नी के साथ पूजा की. बाद में सौमित्र खान धोती कुरता पहने और एक हाथ में गीता लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों के साथ जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय में उपस्थित हुए। उनका दावा है कि धोती कुरता बंगालियों की परंपरागत और पारम्परिक पोशाक है. और गीता सत्य का प्रतीक है. धोती कुरता में एक बंगाली के रूप में याद किए जाने के अलावा, गीता ने उस सच्चाई के प्रतीक के रूप में आज अपना नामांकन दाखिल किया, जिसे भाजपा ने पूरे देश में स्थापित किया है।

उतर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की चुनावी सभा आज

कोलफील्ड मिरर 30 अप्रैल (उखड़ा): आसनसोल लोकसभा सीट के भाजपा प्रत्यासी एसएस अहलूवालिया के समर्थन में चुनावी सभा को संबोधित करने के लिए आ रहें उतर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सभा को लेकर तैयारी जोर शोर से किया जा रहा है. मंगलवार 30 अप्रैल को अण्डाल के निकट खांद्रा बाउरी पाड़ा के फुटबॉल मैदान में दोपहर 2.30 बजे योगी आदित्यनाथ सभा को संबोधित करेंगे, योगि की सभा को लेकर भाजपा कर्मियो में उत्साह देखा जा रहा है, वही स्थानीय लोगो में भी अपने क्षेत्र में बुलडोजर बाबा के नाम से प्रसिद्ध योगी की आने से उत्साह देखा जा रहा है, तपती धूप से बचने के लिए बड़े पंडाल का निर्माण के साथ मंच बनाने का कार्य जोर से किया जा रहा है.

पानी की मांग को लेकर शिवडांगा से निघां तक सड़क को स्थानीय लोगो ने जाम कर प्रदर्शन किया

कोलफील्ड मिरर 30 अप्रैल (जामुड़िया): वार्ड नंबर 12 के निघा न्यू कॉलोनी मुस्लिमपाड़ा इलाके में पानी की मांग को लेकर शिवडांगा से निघां तक जानेवाली सड़क को स्थानीय लोगो ने जाम कर प्रदर्शन किया।

स्थानीय लोगों, खासकर महिलाओं का आरोप है कि उन्होंने कई बार इस वार्ड के पार्षद समरजीत गोस्वामी से शिकायत की है, लेकिन कुछ नहीं हुआ. क्षेत्र के बड़े हिस्से में पानी का स्तर हमेशा कम रहता है और उचित जल आपूर्ति की कमी के कारण कई क्षेत्रों के लोग इस भीषण गर्मी के दौरान पानी की कमी से जूझ रहे हैं।

स्थानीय निवासियों की मांग को कई बार पत्र लिखा गया है लेकिन उन्हें कोई जवाब नहीं मिला, वर्तमान में स्थिति यह है कि क्षेत्र में कुएं का पानी सूख गया है, तालाब और अन्य सभी जलस्रोतों का पानी गंदा है. स्तर सूख रहा है. इससे क्षेत्र के आम

लोगों को अत्यधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, जब तक वार्ड पार्षद इस समस्या का समाधान करने नहीं आते तब तक उनकी मांग जारी रहेगी. और न सिर्फ आने पर उन्हें इलाके में दिन में दो बार टैंकर से पानी सप्लाई करने के लिए लिखकर देना होगा, तभी विरोध समाप्त होगा.

मामले की जानकारी होने पर उनके प्रतिनिधि एवं स्थानीय वार्ड नंबर 10 के वार्ड पार्षद भोला पासवान प्रदर्शनकारियों के पास पहुंचे और उन्हें पानी आपूर्ति के लिए कदम उठाने का आश्वासन दिया, तब स्थिति सामान्य हुई. हालांकि उस वार्ड के निवासी कांग्रेस नेता सोमनाथ चट्टोपाध्याय ने इस बात पर सवाल उठाया है कि उस वार्ड के वार्ड पार्षद प्रदर्शनकारियों के पास क्यों नहीं आये. इलाके के निवासियों को यह एहसास हो रहा है कि उन्हें चुनाव के दौरान बड़े-बड़े वादे करने से कोई फर्क नहीं पड़ता. हालांकि उस वार्ड के वार्ड पार्षद से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो सका.

15 महीने बाद निष्काषित लोगो को भाजपा में दोबारा मिला सम्मान

कोलफील्ड मिरर 30 अप्रैल (बराकर): वरिष्ठ भाजपा नेता सुब्रतो मिश्रा, जितेंद्र तिवारी के नेतृत्व में कुल्टी विधानसभा क्षेत्र के लगभग 150 लोगों ने भाजपा का झंडा थाम कर पार्टी में शामिल हुए। इस अवसर पर राजेश सिन्हा भी उपस्थित थे।

इस संबंध में बताया जाता है कि कुल्टी स्थित एक मैरिज हॉल में भाजपा की ओर से एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जहां कई लोगों ने भाजपा वरिष्ठ नेताओं के हाथों पार्टी का झंडा थाम कर भाजपा में शामिल हुए।

इस दौरान विभाग सिंह जो की राजनीति के प्रारंभिक जीवन से ही भाजपा करते आए हैं। उन्हें किसी कारणवश पार्टी से सस्पेंड कर दिया गया था। लगभग 15 महीने बाद पार्टी ने दोबारा उन्हें सम्मिलित किया है। इस अवसर पर उनके साथ दीपक सिंह, राजदेव सिंह, सुरेंद्र सिंह सहित अन्य लोग भाजपा में शामिल हुए।

इस अवसर पर श्री तिवारी ने कहा कि पार्टी के कर्मियों को बैठना उचित नहीं है। इन पार्टी कर्मियों के बैठ जाने से पार्टी को ही नुकसान हुआ है। जिसकी भरपाई कर आज इन्हें पार्टी में दोबारा सम्मिलित किया गया है।

वहीं विभाष सिंह ने कहा कि सत्य की विजय हुई और मैं पहले भी भाजपा पार्टी में था आज भी हूं और हमेशा ही रहूंगा।

धूपपति नृत्य कला केन्द्र में मना अंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवस

कोलफील्ड मिरर 30 अप्रैल (पांडवेश्वर): विश्व नृत्य दिवस पर सोमवार को नृत्य और नाटक विद्यालय ध्रुपपति नृत्य कला केंद्र में प्राचार्य हेमंती बासु की उपस्तिथि में छात्र छात्राओं ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया,

इस अवसर पर हेमंती बासु ने बताया की इंटरनेशनल डांस डे प्रत्येक वर्ष 29 अप्रैल को विश्व स्तर पर मनाया जाता है, यूनेस्को की सहयोगी अंतरराष्ट्रीय रंग मंच संस्था की सहयोगी अंतरराष्ट्रीय नाच समिति ने आज ही के दिन नृत्य दिवस के रूप में स्थापित किया, महान रिफॉर्मर जीन जार्ज नावेरे के जन्म की स्मृति में यह नृत्य दिवस मनाया जाता है,

उन्होंने कहा की नृत्य दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य नृत्य की महता को अलख जगाना है, विश्व में नृत्य को शिक्षा की सभी प्रणालियों में एक उचित जगह उपलब्ध कराना था, वर्ष 2005 में नृत्य दिवस को प्राथमिक शिक्षा के रूप में केंद्रित भी किया गया है, इस अवसर पर स्कूल के आशीष और पायल भी उपस्थित थे.

ईसीएल के सोनपुर बाजारी क्षेत्र में जीएम ने कार्य स्थल पर सुरक्षा और स्वास्थ्य दिवस के बारे में दी जानकारी

कोलफील्ड मिरर 30 अप्रैल (पांडवेश्वर): ईसीएल की सोनपुर बाजारी परियोजना में कार्यस्थल पर सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिए विश्व दिवस मनाया गया, क्षेत्र के महाप्रबंधक आनंद मोहन ने झंडातोलन करके कार्य स्थल पर सुरक्षा के साथ स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने के लिए विश्व दिवस के बारे में बताया की इस वर्ष की थीम के अनुसार "जलवायु परिवर्तन का व्यावसायिक सुरक्षा और स्वास्थ्य पर प्रभाव" को लेकर मनाया जा रहा है,

इसलिए सोनपुर बाजारी परियोजना में भी कार्यस्थल पर सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिए विश्व दिवस का पालन किया जा रहा है, उन्होंने इस महत्वपूर्ण दिवस से सभी कर्मियो और अधिकारियों को अवगत कराने के साथ इसके महत्वपूर्ण तथ्यों को साझा किया, इस अवसर पर महाप्रबंधक संचालन आर के सिंह, सभी विभागों के विभागाध्यक्ष, मजदूर संगठनों के प्रतिनिधियों परियोजना के कर्मी उपस्थित थे,

इंडियन बैंक के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन के बाद स्थानांतरित किया गया

कोलफील्ड मिरर 30 अप्रैल (अंडाल): इंडियन बैंक की उखरा शाखा को उखरा बाजपेयी मोड पर नवनिर्मित नये भवन का उद्घाटन करने के बाद स्थानांतरित किया गया, कुछ साल पहले इलाहाबाद बैंक और इंडियन ऑवरशियस बैंक का विलय हो गया था. नया नाम इंडियन बैंक है. विलय के बाद से बैंक का सारा कामकाज मधाईगंज रोड स्थित बलराम डे मार्केट की दूसरी मंजिल पर स्थित इलाहाबाद बैंक के पुराने शाखा कार्यालय में हो रहा था। उसके बाद नये

इंडियन बैंक
Indian Bank

भवन का निर्माण सुरु हुआ, भवन निर्माण होने के बाद वरिष्ठ शिक्षाविद् व उखरा हाई स्कूल के पूर्व प्रधानाध्यापक श्रीकृष्ण बनर्जी ने नये भवन का विधिवत उद्घाटन किया. इस अवसर पर इंडियन बैंक के डीजीएम रमेश कुमार मिश्रा, उखरा शाखा प्रबंधक शुभोजीत सेन व उखरा चेंबर ऑफ कॉमर्स के सीताराम बर्नवाल, तारीक अहमद, सव्यसाची साधु और रामदास माली (बैंक मित्र) तथा अन्य उपस्थित रहे. इस अवसर पर रमेश कुमार मिश्रा ने कहा पुरानी दो मंजिला इमारत में बुजुर्ग और दिव्यांग ग्राहकों को चढ़ने-उतरने में दिक्कत होती थी। शाखा सचिव सुभोजीत सेन ने कहा, उनकी सुविधा के लिए शाखा को एक मंजिला नई भवन का निर्माण कर बैंक का स्थानांतरित कया गया.

शत्रुघ्न सिन्हा ने परासकोल और हरिपुर में किया चुनाव प्रचार

कोलफील्ड मिरर 30 अप्रैल (पांडवेश्वर): आसनसोल लोक सभा क्षेत्र के तृणमूल उम्मीदवार शत्रुघ्न सिन्हा ने परासकोल गांव और हरिपुर बजार में किया चुनाव प्रचार, उनके साथ पांडवेश्वर विधान सभा के विधायक व जिला अध्यक्ष नरेंद्रनाथ चक्रबर्ती, ब्लॉक अध्यक्ष किरिटी मुखर्जी, बहुला ग्राम पंचायत के उपप्रधान विरबहादुर सिंह, अंचल अध्यक्ष उत्तम मिर्धा, ब्लॉक माइनॉरिटी सेल के अध्यक्ष एमडी मिराज हुसैन, युवा अंचल अध्यक्ष एमडी सदरूदिन हुसैन, संदीप सरकार, धर्मेंद्र पासवान, प्रधान सुहागिन टुडू, प्रदीप पोद्दार तथा अन्य सदस्य गण उपस्थित रहे।

ढोल बजाकर बाबूल सुप्रियो ने किया प्रचार

कोलफील्ड मिरर 30 अप्रैल (पांडवेश्वर): पांडवेश्वर विधानसभा क्षेत्र के लाउदोहा-फरीदपुर ब्लॉक में पश्चिम बंगाल के मंत्री बाबुल सुप्रियो ने तृणमूल कांग्रेस प्रत्याशी शत्रुघ्न सिन्हा के समर्थन में रोड शो में ढाक बजाकर प्रचार अभियान की शुरुआत की. बाबुल सुप्रियो ने पांडबेश्वर विधानसभा के फरीदपुर ब्लॉक के लाउदोहा झांझरा इलाके समेत विभिन्न इलाकों में रोड शो किया. बाबुल सुप्रियो को देखकर सभी आम आदमी काफी सराहना कर रहे थे. इस अवसर पर उनके साथ विधायक व जिला अध्यक्ष नरेंद्रनाथ चक्रबर्ती भी मौजूद रहे.

तनाव से मुक्ति का सहज और सरल रास्ता आध्यात्मिक ज्ञान और ध्यान

कोलफील्ड मिरर 30 अप्रैल (दुर्गापुर): बिधाननगर ग्रुप हाउसिंग की महिला क्लब द्वारा आर्ट ऑफ़ लिविंग की और से मेडिटेशन कैंप का आयोजन हुआ। संयोजक बिंदु भगत ने कहा कि साउथ बंगाल के सीनियर टीचर सुशील सिंह और स्टेट टीचर कोऑर्डिनेटर धर्मवीर सिंह ने सभी को संबोधित किया सभी को एक छोटा सा ध्यान गुरुदेव श्री श्री रविशंकर जी की आवाज में कराया गया.

सुशील कुमार सिंह ने कहा कि आर्ट ऑफ़ लिविंग के इनट्यूशन कार्यक्रम में छठी इंद्रिय को जागृत कर बच्चों में सुषुप्त सभी संभावनाओं को जगाकर उन्हें प्रज्ञावान और तेजस्वी बनाने में मदद करता है। यह कार्यक्रम बच्चों के लिए एक क्रांतिकारी कार्यक्रम है जो आने वाले समय में समाज में बच्चों के मध्य अपने संस्कृति और विद्या में एक बड़ा परिवर्तन ला सकता है।

राम नारायण राम संतान दल की सम्मलेन आयोजित

कोलफील्ड मिरर 30 अप्रैल (दुर्गापुर): रविवार की शाम गोपालमाठ सभागार में राम नारायण राम संतान दल के पश्चिम बर्दवान जिला समिति द्वारा सम्मलेन आयोजित की गई। केंद्रीय समिति के अखिल भारतीय अध्यक्ष शंकर सरकार, तरूण रॉय, स्थानीय समाजसेवी एवं आयोजक रासबिहारी बनर्जी (रासु) के द्वारा कार्यक्रम का शुभ आरंभ किया गया. साथ ही सम्मेलन में आमंत्रित अतिथियों को स्वागत के माध्यम से मंच पर आमंत्रित किया जाता है और यह भी उल्लेख किया गया है कि इस विशेष सम्मेलन में वित्तीय प्रदूषण को रोकने के लिए दुनिया का सबसे बड़ा उपकरण राम नारायण राम महानम के संदर्भ में प्रस्तुत किया जा रहा है। वर्तमान विश्व स्थिति, भारत में चल रहे तथाकथित राजनीतिक और धार्मिक प्रदूषण के खिलाफ, राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक, मंदिरों, मस्जिदों, लोगों, धर्म के आधार पर सांप्रदायिकता के खिलाफ, कार्यक्रम में चर्चा की गई।

एक राष्ट्र, एक सिद्धांत, एक राज्य, समाज और वेद आधारित साम्यवाद और सद्भावना, जीवधर्म की स्थापना के लिए सम्मेलन में भाग लिया और पश्चिम बर्दवान जिला समिति के साथ-साथ स्थानीय क्षेत्र के प्रमुख समाजसेवी तरूण रॉय ने भी यह बात कही।

केंद्रीय समिति के उपाध्यक्ष सैयद फिरोज अली, मालदा जिला आयोजक, केंद्रीय समिति के उपाध्यक्ष और उत्तर बंगाल समिति के संयोजक संजीत दास ने अपनी बात रखी। पश्चिम बर्दवान जिला समिति के आयोजन सचिव बनमाली हाजरा, सचिव विवेक चटर्जी, अध्यक्ष दिलीप दे ने कार्यक्रम को सुंदर बनाने के लिए अध्यक्ष शंकर सरकार और तरूण रॉय को बधाई दी. और कक्ष में उपस्थित सभी कार्यकर्ताओ ने कार्यक्रम को सुचारू बनाने के लिए रासु बनर्जी को बधाई दी।

आज का राशिफल

30 अप्रैल 2024
मंगलवार

ज्योतिष सम्राट
श्री एस के पांडेय
9474017999

कोलफील्ड मिरर

मेष
दिन प्रसन्नता भरा रहेगा। घर परिवार में माहौल खुशनुमा रहेगा। व्यक्तिगत मामलों में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। वाणी की मधुरता को बनाए रखें। अटका हुआ काम पूरा हो सकता है।

वृषभ
दिन महत्वपूर्ण रहेगा। आवश्यक कार्य के कारण यात्रा पर जाना पड़ सकता है। श्रेष्ठ जनों से मुलाकात लाभदायक रहेगी। प्पारिवारिक अनबन दूर होगी। सामाजिक प्रयास सफल रहेंगे।

मिथुन
दिन बेहतर रहने वाला है। शान शौकत की कुछ वस्तुओं की खरीदारी में धन व्यय करेंगे। पुरानी नौकरी में ही टिके रहना बेहतर रहेगा। व्यवसायिक गतिविधियों को बल मिलेगा।

कर्क
दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में सोच विचार कर आगे बढ़ना बेहतर रहेगा। संतान के करियर को लेकर चिंता दूर होगी। मामा पक्ष से धन लाभ होगा। आपकी साख चारों ओर फैलेगी।

सिंह
दिन मुश्किल भरा रहने वाला है। बढ़ते हुए खर्चों को लेकर परेशान रहेंगे। लेन-देन के मामले में आंख और कान खुले रखें। किसी बड़े निवेश में हाथ ना आजमाएं। सेहत पर ध्यान दें।

कन्या
दिन बढ़िया रहेगा। आपकी प्रतिभा में निखार आएगा। अपने किसी गलती को दोहराना नहीं है। संपत्ति का सौदा बहुत ही सावधानी से करें। कार्यक्षेत्र में किसी पर भरोसा करने से बचे।

तुला
दिन मिलाजुला रहने वाला है। परिजनों से स्नेह बना रहेगा। कार्यक्षेत्र में छोटो की गलतियों को माफ करना होगा। मन की इच्छा पूर्ति होगी। घर परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा।

वृश्चिक
दिन उत्तम रहने वाला है। जन कल्याण के कार्यों से जूड़ने का मौका मिलेगा। नेतृत्व क्षमता बढ़ने से प्रसन्न रहेंगे। परिजन कोई सलाह दे, तो बहुत सोच विचार कर चलना बेहतर रहेगा।

धनु
दिन बढ़िया रहेगा। स्वास्थ्य कमजोर रहने वाला है। कुछ महत्व चर्चाओं में सम्मिलित होना पड़ेगा। व्यापार में छुटपुट लाभ के अवसर मिलते रहेंगे। आर्थिक स्थिति भी मजबूत होगी।

मकर
दिन उत्तम रहेगा। साझेदारी में काम करना आपके लिए बेहतर रहेगा। मित्र व सहकर्मियों से विश्वास बनाए रखें। कार्यक्षेत्र में टीमवर्क के जरिए काम करके आसानी से पूरा कर पाएंगे।

कुंभ
दिन सामान्य रहेगा। लेनदेन के मामले में सावधानी बरते। जल्दबाजी करने से कोई बड़ा नुकसान हो सकता है। कार्यक्षेत्र में कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। विरोधी हावी रहेगे।

मीन
दिन अच्छा रहेगा। खुद को ऊर्जावान महसूस करेंगे। अपनी उर्जा को सही कामों में लगाएं। प्रत्येक कार्य को करने के लिए तत्पर रहेंगे। आपकी जीवनशैली भी आज बेहतर बनेगी।

कल्पना सोरेन ने दाखिल किया नामांकन

कोलफील्ड मिरर 30 अप्रैल (धनबाद): गिरिडीह/ झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की नेता कल्पना सोरेन ने गांडेय विधानसभा उपुचनाव के लिए नामांकन दाखिल कर दिया है. वह इंडियन नेशनल डेमोक्रेटिक इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) की संयुक्त उम्मीदवार हैं.

कल्पना सोरेन के नामांकन में झारखंड के मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन खुद शामिल हुए. उनके अलावा झामुमो के नेता और शिबू सोरेन के छोटे पुत्र बसंत सोरेन, झारखंड सरकार के मंत्री मिथिलेश ठाकुर, कांग्रेस के नेता और झारखंड के मंत्री आलमगीर आलम एवं बन्ना गुप्ता भी हेमंत सोरेन की पत्नी के नामांकन में शामिल हुए।

कल्पना सोरेन ने गिरिडीह समाहरणालय में निर्वाची पदाधिकारी के कार्यालय में अपना नामांकन दाखिल किया, नामांकन दाखिल करने से पहले कल्पना सोरेन ने झामुमो नेता और राज्यसभा सांसद डॉ सरफराज अहमद के पैर छूकर उनसे आशीर्वाद लिए. डॉ सरफराज अहमद गांडेय के पूर्व विधायक भी हैं, 1 जनवरी 2024 को सरफराज अहमद ने गांडेय विधानसभा सीट से इस्तीफा दे दिया था।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने की लोकसभा आम निर्वाचन की अधिसूचना जारी

कोलफील्ड मिरर 30 अप्रैल (धनबाद): जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त माधवी मिश्रा ने आज लोकसभा चुनाव 2024 की अधिसूचना जारी करते हुए प्रेस वार्ता का आयोजन कर पत्रकारों से कहा कि जिला प्रशासन स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव संपन्न करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। जिले में 63 स्टैटिक सर्विलांस टीम, 21 फ्लाइंग स्क्वायड टीम व 21 विडियो सर्विलांस टीम कार्यरत है। 2 एक्सपेंडिचर ऑब्जर्वर भी धनबाद पधार चुके हैं। उन्होंने बताया कि अधिसूचना जारी होते ही उम्मीदवार नामांकन पत्र खरीद कर जमा कर सकेंगे। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 6 मई 2024 को दोपहर 3:00 बजे तक है। नामांकन सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक किया जाएगा। 7 मई को सुबह 11:00 बजे से नामांकन पत्रों की स्क्रूटनी की जाएगी। वहीं 9 मई 2024 को दोपहर 3:00 बजे तक नाम वापस लेने की अंतिम तिथि रहेगी। साथ ही बताया कि धनबाद में 25 मई को सुबह 7 बजे से संध्या 5 बजे तक मतदान निर्धारित है। वहीं 4 जून 2024 को मतगणना तथा 6 जून को चुनाव की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि धनबाद संसदीय क्षेत्र में बोकारो, चंदनकियारी, सिंदरी, निरसा, धनबाद एवं झरिया को मिलाकर 22 लाख 78 हजार 221 मतदाता है। धनबाद संसदीय क्षेत्र में 1270 भवन में 2539 मतदान केंद्र है। इसमें शहरी क्षेत्र में 1177 और ग्रामीण क्षेत्र में 1362 मतदान केंद्र है। पुरुष मतदाताओं की संख्या 11 लाख 92 हजार 976, महिला 10 लाख 85 हजार 165 व 80 थर्ड जेंडर मतदाता है।

उन्होंने बताया कि एसएसआर 24 में 27 अक्टूबर 2023 से 27 अप्रैल 2024 तक 82628 नए मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में जोड़ा गया है। वहीं 40949 का नाम डिलीट किया गया है। साथ ही बताया कि धनबाद जिले के सिंदरी, निरसा, धनबाद, झरिया, टुंडी एवं बाघमारा विधानसभा में 1313 भवन में 2378 मतदान केंद्र है। इसमें शहरी क्षेत्र में 918 व ग्रामीण क्षेत्र में 1183 मतदान केंद्र है। कुल मतदाताओं की संख्या 2046473 है। इसमें पुरुष मतदाताओं की संख्या 10 लाख 72 हजार 318, महिला 9 लाख 74 हजार 106 व 49 थर्ड जेंडर वोटर्स है।

धनबाद जिले में 172 पर्दानशीन व महिला मतदान कर्मियों द्वारा संचालित 19 बूथ है। जबकि पीडब्ल्यूडी मतदान कर्मियों द्वारा संचालित सिंदरी विधानसभा में एक और युवा मतदान कर्मियों द्वारा संचालित धनबाद विधानसभा में एक बूथ है। वहीं टुंडी एवं बाघमारा में एक-एक यूनिक बूथ बनाए गए हैं।

इस बार लोकसभा चुनाव में धनबाद जिले में 18 से 19 वर्ष के 24192 पुरुष, 29483 महिला तथा 2 थर्ड जेंडर को लेकर 53677 फर्स्ट टाइम वोटर्स है। 15178 तथा 12675 महिलाओं को लेकर 27853 पीडब्ल्यूडी वोटर्स, 3412 पुरुष व 3372 महिलाओं सहित 6784 मतदाता 85 वर्ष अधिक उम्र के है।

नामांकन की प्रक्रिया पर प्रकाश डालते हुए जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि नामांकन करने के लिए रिटर्निंग ऑफिसर के कक्ष में उम्मीदवार सहित 5 व्यक्ति ही प्रवेश कर सकेंगे। वहीं कलेक्ट्रेट मेन गेट तक तीन वाहनों को आने की अनुमति रहेगी। वहीं स्वतंत्र उम्मीदवार के लिए अधिकतम 10 प्रस्तावक की अनुमति रहेगी। आदर्श आचार संहिता का पालन करने तथा सुरक्षा के लिए पूरे कलेक्ट्रेट परिसर में सीसीटीवी से निगरानी की जा रही है। दंडाधिकारी व पुलिस पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है।

उन्होंने बताया कि लोकसभा चुनाव की घोषणा होने के सथ ही जिले में अवैध शराब के विरुद्ध कार्रवाई जारी है। उत्पाद विभाग ने अब तक 7 लाख 76 हजार 797 रुपए की 3113 लीटर अवैध शराब जब्त की गई है। जबकि 6 लाख 63 हजार रुपए से अधिक का महुआ जावा जब्त किया है।

पत्रकार वार्ता के दौरान वरीय पुलिस अधीक्षक श्री हृदीप पी जनार्दनन ने बताया कि स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव संपन्न करने के लिए 12 इंटर स्टेट चेक पोस्ट तथा जामताड़ा, गिरिडीह व बोकारो जिले की सीमा पर पांच चेक पोस्ट बनाए गए हैं। अब तक 75 लाख 48 हजार 850 रुपए की अवैध शराब, गांजा सहित अन्य मादक पदार्थ की रिकवरी की गई है। जबकि एक करोड़ 18 लाख से अधिक रुपए का अवैध सामान पकड़ा गया है। एसएसपी ने बताया कि 1241 लाइसेंसी आर्म्स धारकों में 906 ने अपने हथियार जमा कराए हैं। 251 हथियार को जमा कराने से विमुक्ति प्रदान की है। वहीं 27 के आर्म्स लाइसेंस रद्द किए हैं।

उन्होंने बताया कि जिनका 10 साल में आपराधिक इतिहास रहा है वैसे 4886 लोगों को चिह्नित कर 3192 का सत्यापन किया गया है। 1445 पर प्रीवेंटिव एक्शन लिया है। 336 लोगों का नाम गुंडा पंजी में दर्ज किया है। 59 लोगों के विरुद्ध सीसीए की अनुशंसा की है। 264 लोगों पर सर्विलांस प्रोसिडिंग की है। वैसे 3243 लोग जो चुनाव प्रभावित कर सकते हैं पर 107 की कार्रवाई तथा 805 के विरुद्ध 108, 109, 110 के तहत कार्रवाई की है।

पत्रकार वार्ता में उपायुक्त माधवी मिश्रा, वरीय पुलिस अधीक्षक हृदीप पी जनार्दनन, नगर आयुक्त रवि राज शर्मा, डीडीसी सादात अनवर, निदेशक डीआरडीए राजीव रंजन, डीसीएलआर संतोष गुप्ता, जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रदीप कुमार शुक्ला, उप निर्वाचन पदाधिकारी कालीदास मुंडा, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सुनिल कुमार सिंह मौजूद थे।

अंजुमन तरक़्क़ी उर्दू कांफ्रेंस का आयोजन, लोकतांत्रिक तरीके से चुने गए पदाधिकारी

कोलफील्ड मिरर 30 अप्रैल (धनबाद): मदर हलीमा स्कूल, भूली रोड, धनबाद में अंजुमन तरक़्क़ी उर्दू (हिंद) धनबाद का जिला सम्मेलन का आयोजन वरिष्ठ शायर एवं लेखक उल्फ़त मुजफ्फरपुरी की अध्यक्षता एवं इम्तियाज़ बिन अज़ीज़ के सफल संचालन में सम्पन हुआ, जिसके मुख्य अतिथि श्री एम ज़ेड खान (केंद्रीय प्रतिनिधि, रांची) थे।

इस सम्मेलन में अफ़ज़ल अनीस (बोकारो के संयोजक), अहमद निसार (आलमी फलक के संपादक), गुलाम वारिस, मंज़र खान, इम्तियाज़ ग़दर, मो. अनवर, नसीम अख्तर, मो. मुस्तकीम, गुलाम ग़ौस 'आसवी', यूनुस फ़िरदौसी आदि ने भाग लिया। कार्यक्रम के प्रारंभ में विशिष्ट अतिथि को बुके देकर सम्मानित किया गया।

सम्मेलन में इम्तियाज़ ग़दर पर लेखक मो. अनवर (गोमो) द्वारा लिखित पुस्तक 'इम्तियाज़ ग़दर- फ़न और शख़्सियत' का विमोचन उल्फ़त मुजफ्फरपुरी, हसन निज़ामी, एमजेड खान, एसएम रिज़वी ने किया। इससे पहले लेखक की किताब कथा-संग्रह 'प्लाज़्मा' आई है, जिसमें कोरोना काल के संघर्ष का वर्णन है। इसके बाद धनबाद के संयोजक डॉ. हसन निज़ामी ने सदन में अपने तीन महीने के क्रियाकलाप की विस्तृत रिपोर्ट पेश की, जिसे सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी गई।

सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए केंद्रीय प्रतिनिधि एम. ज़ेड खान ने अंजुमन तरक़्क़ी उर्दू का 1882 का इतिहास बताते हुए कहा कि अंजुमन आज एक वैचारिक संस्था है और यह वह सभी कार्य करती है, जो सरकारी संस्थाओं में तकनीकी कारणों से संभव नहीं है। अंजुमन उर्दू की एकमात्र संस्था है, जिसने सरकार को उर्दू के लिए हर संभव कदम उठाने के लिए राज़ी किया। विभिन्न प्रांतों में दूसरी राजभाषा, उत्तर प्रदेश सरकार में पहली उर्दू अकादमी और उसके बाद अन्य उर्दू अकादमियाँ, राष्ट्रीय उर्दू परिषद के अग्रदूत, उर्दू बोर्ड का विकास और विभिन्न विश्वविद्यालयों में उर्दू विभागों की स्थापना के माध्यम से ही संभव है। अंजुमन तरक़्क़ी उर्दू (हिंद) के प्रयास अनुकरणीय हैं। अंजुमन के सहायक सचिव मौलाना अबुल कलाम आज़ाद के प्रयासों से ही उर्दू को संविधान की अनुसूची आठ में शामिल किया गया, जिन्होंने उर्दू विरोधी लॉबी के रवैये के खिलाफ संविधान सभा से इस्तीफा दे दिया था। यह एक ऐतिहासिक तथ्य है।

केंद्रीय प्रतिनिधि ने अपने संबोधन में उर्दू आबादी को इस संगठन से जोड़ने की अपील की, ताकि इसे एक आंदोलन का रूप दिया जा सके। इस दौरान सूफ़ी शायर गुलाम ग़ौस 'आसवी' ने एक नज़्म के रूप में अपने विचार प्रस्तुत किए, जिसे लोगों ने खूब सराहा।

स्कूल के हॉल में अंजुमन तरक़्क़ी उर्दू (हिंद) धनबाद का चुनाव लोकतांत्रिक तरीके से हुआ, जो पदाधिकारी निर्वाचित हुए हैं, उनमें अध्यक्ष श्री एस.एम. आरिफ़ीन रिज़वी, उपाध्यक्ष में सैयद सरवर हुसैन, डॉ. सैफुल्लाह खालिद, इम्तियाज़ ग़दर, सचिव डॉ. हसन निज़ामी और संयुक्त सचिव महफ़ूज़ आलम, सहायक सचिव में राशिद मज़हर, सिकंदर अंसारी, वारिसुल हसन, कोषाध्यक्ष अब्दुल रहमान अब्द, उप कोषाध्यक्ष इरफ़ान नदवी, मजलिसे आमिला में डॉ. यूनुस फिरदौसी, गुलाम वारिस अंसारी, मो. असगर अली अंसार, इम्तियाज़ बिन अज़ीज़, प्रसारण सचिव गुलाम ग़ौस 'आसवी' हैं।

सम्मेलन के अध्यक्ष उल्फत मुजफ्फरपुरी ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए मदर हलीमा स्कूल की पूरी टीम और बैठक में आए सभी लोगों को धन्यवाद दिया और समाप्ति की घोषणा की गई।

टायर व्यवसाय स्व. रंजीत साहू की द्वितीय पुण्यतिथि मनाई गई

कोलफील्ड मिरर 30 अप्रैल (धनबाद): टायर व्यवसाय स्वर्गीय रंजीत साहू कि द्वितीय पुण्यतिथि महाराणा प्रताप दल झरिया में मनाई गई. जिसकी अध्यक्षता राजकुमार अग्रवाल एवं संचालन अरविंद साव तथा धन्यवाद ज्ञापन विनोद पासवान ने किया।

सर्वप्रथम लोगों ने उसकी तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दिए और 2 मिनट का मौन धारण कर उन्हें याद किया। आए हुए अतिथियों ने उसके आदर्श एवं सादगी पूर्ण जीवन पर प्रकाश डाला.

राजकुमार अग्रवाल ने कहा कि व्यापार जगत में आगे बढ़ने के कारण प्रतिशोध में साजिश रच कर उनकी निर्मम हत्या की गई। महेंद्र सिंह मीनू ने कहा कि उनके हत्याकांड में कई अपराधियों के विरुद्ध आरोप पत्र न्यायालय में समर्पित कर अनुसंधान जारी है उनकी आत्मा को तभी शांति मिलेगी जब मुख्य साजिश रचने वाला कानून के गिरफ्त में होगा।

मृतक रंजीत साहू के बड़े भाई रंजन साहू ने कहा कि केस ट्रायल में है और हमारा परिवार काफी भयभीत है हमारे भाई के हत्यारे को सजा दिलाने में आप सभी समाज के प्रबुद्ध लोग हमारा सहयोग करें। श्रद्धांजलि अर्पित करने आए हुए सभी प्रबुद्ध जनों ने एक स्वर में कहा कि अपराधियों का मनोबल तोड़ने एवं उन्हें सजा दिलाने हेतु आप आगे बढ़े हम सभी व्यापारी वर्ग आपके साथ है।

श्रद्धा सुमन अर्पित करने हेतु आए हुए आगंतुकों में से मुख्य रूप से पूर्व पार्षद कुमार अंकेश राज, सुजीत सिन्हा, वीरेन गोरीइ, अनूप साव, साहू समाज के जगदीश साव, विनोद पासवान, देवी सावं, अरुण सावं, रिंकू शर्मा, गोविंद साव, विजय सावं, जिज्ञास कुमार, महेश साव, विजय सावं, त्रिलोकी प्रमाणिक, गणेश सावं, जुन्नु गुप्ता, जयप्रकाश साव, जितेंद्र गुप्ता, चेतन मिश्रा, रवि वर्मा, सागर साव, बबलू सावन, नरेश साव, गुड्डू साहू, जितेंद्र सिंह, सुमित मोदी, पप्पू साहू, रितेश शर्मा, यमुना साहू, शंभू साहब, संजय कुमार दिवाकर, सुबोध साव, महेंद्र साव, राजू वर्मा, हेमंत सिंह, अर्जित केसरी, बहादुर माली, धर्मवीर साह, सरवन गुप्ता, मिथिलेश यादव, सुरेंद्र सावं एवं दर्जनों लोग उपस्थित थे।

निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में सुनैना सिंह किन्नर ने लिया नामांकन पत्र

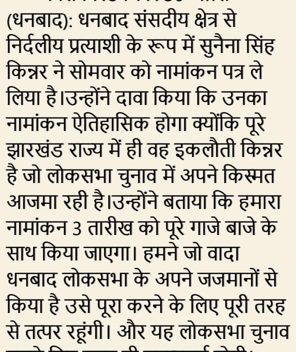

कोलफील्ड मिरर 30 अप्रैल (धनबाद): धनबाद संसदीय क्षेत्र से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में सुनैना सिंह किन्नर ने सोमवार को नामांकन पत्र ले लिया है।उन्होंने दावा किया कि उनका नामांकन ऐतिहासिक होगा क्योंकि पूरे झारखंड राज्य में ही वह इकलौती किन्नर है जो लोकसभा चुनाव में अपने किस्मत आजमा रही है।उन्होंने बताया कि हमारा नामांकन 3 तारीख को पूरे गाजे बाजे के साथ किया जाएगा। हमने जो वादा धनबाद लोकसभा के अपने जजमानों से किया है उसे पूरा करने के लिए पूरी तरह से तत्पर रहूंगी। और यह लोकसभा चुनाव हमारे लिए बहुत ही महत्वपूर्ण होगी।

एक मई को धनबाद आगमन मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन का

कोलफील्ड मिरर 30 अप्रैल (धनबाद): मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन एक मई को धनबाद आयेंगे। उक्त बातें विधायक जयमंगल सिंह उर्फ अनुप सिंह के द्वारा बताया गया। कांग्रेस दल के नेता आलमगीर आलम भी आ सकते हैं। उक्त आगमन अनुपमा सिंह के नोमनेशन में भाग लेकर गोल्फ़ ग्राउंड में एक सभा को संबोधित कर सकते हैं। कांग्रेस के और कई विधायक व मंत्री भी आयेंगे।

आज धुल्लु नामांकन पर्चा दाखिल करेंगे

कोलफील्ड मिरर 30 अप्रैल (धनबाद): भाजपा उम्मीदवार ढुल्लू महतो के नोमनेशन में कई दिग्गज नेताओं और राजस्थान के मुख्यमंत्री भाग ले सकते हैं। कल धनबाद के अधिकांश सड़क दस बजे दिन से जाम हो सकता है। ढुल्लू के समर्थकों का कहना है कि लगभग एक लाख लोग नोमनेशन में भाग ले सकते हैं। उम्मीदवार के भाई शरद महतो ने बताया कि धनबाद लोकसभा चुनाव में भाग लेने के लिए उम्मीदवार अपना नामांकन शांति पूर्ण दर्ज़ कराया जायेगा। नामांकन के एक पद यात्र होगी जो गोल्फ ग्राउंड पहुंचेंगी। यहाँ एक सभा होगी जिसे कई वरीय ने ता संबोधित करेंगे।

शांतिपूर्ण मतदान को लेकर सीआरपीएफ एवं पुलिस ने की फ्लैग मार्च

कोलफील्ड मिरर 30 अप्रैल (धनबाद): तिसरा क्षेत्र के विभिन्न बूथों का निरीक्षण लगभग दो दर्जन से अधिक सीआरपीएफ एवं जिला पुलिस के साथ आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर आम जनता के बीच मतदान केंद्र पर बैखौफ वोट डालने के लिए, निर्भीक होकर मतदान में उपस्थित महिलाए व पुरूषों को वोट डालने, हर दिलों में विश्वास दिलाने के लिए फ्लैग मार्च निकाली गई।

अलकडीहा पंचायत भवन बुलनरेबल बुथ के अलावे आदर्श श्रमिक उच्च विद्यालय गोलकडीह ,चांद कुईयां,मुकुंदा आदि अति संवेदनशील बुथों के श्रेणी में होने के कारण सी आर पी एफ के इंस्पेक्टर देश राज की टीम व तिसरा थानेदार सुमन कुमार व अन्य पुलिस अधिकारी शामिल थें। लोक सभा चुनाव के मद्देनजर धनबाद के न्यू टाउन हॉल में दो दिन पुर्व एस एस टी एवं एफ एस टी की टीम के साथ महत्वपूर्ण बैठक की गई थी।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त माधवी मिश्रा व धनबाद के वरीय पुलिस अधीक्षक हृदीप पी. जनार्दन द्वारा संयुक्त रूप से बैठक को संबोधित कर आवश्यक दिशा-निर्देश दी गई थी।

धनबाद पुलिस लाइन से मांसाहार दुकानें हटाने के विरोध में दुकानदारों ने किया अर्द्धनग्न प्रदर्शन

कोलफील्ड मिरर 30 अप्रैल (धनबाद): पुलिस लाइन से मीट, मछली और चिकन की दुकानों को हटाने के निर्णय के खिलाफ दुकानदारों ने सोमवार को अर्द्धनग्न प्रर्दशन किया। नगर निगम की कार्रवाई के विरोध में पुलिस लाइन की फुटपाथ दुकानें बंद रहीं। इस बंद में सभी सब्जी व फल दुकानदार भी शामिल हुए।

झारखंड हाईकोर्ट के एक आदेश के तहत शहर में सड़कों के किनारे चलने वाली मांस-मछली की दुकानों को हटाने का निर्देश सभी जिलों के उपायुक्त और नगर आयुक्त को दिया है। इसी आदेश के तहत नगर निगम ने सोमवार से पुलिस लाइन स्थित मांस-मछली की दुकानों को हटाने का निर्णय लिया था। इससे पहले निगम ने मुनादी करते हुए 48 घंटे में दुकान खाली करने का भी अल्टीमेटम दिया था। इसके बावजूद एक भी दुकानें खाली नहीं हुई। इधर सोमवार की सुबह पथ विक्रेता समन्वय समिति के बैनर तले इस निर्णय के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया गया। समिति के नेता श्यामल मजुमदार ने कहा कि पुलिस लाइन के दुकानदारों को जिला पशुपानलन कार्यालय के परिसर में शिफ्ट करने की मांग वर्षों से की जा रही है लेकिन इसपर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। कभी स्टेशन रोड तो कभी पुलिस लाइन रोड में दुकानदारों को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वेंडिंग जोन में ग्राहक नहीं आते हैं ऐसे में व्यवसाय चलाना मुश्किल है।

हाड़ी समाज का भूली शाखा का सम्मान समारोह

कोलफील्ड मिरर 30 अप्रैल (धनबाद): बारहमुडी में सोमवार को हाड़ी समाज भूली शाखा का सम्मान समारोह आयोजित की गई। जिसमें विभिन्न बेहतर प्रदर्शन करने वाले समाज के लोगों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भूली शाखा के अध्यक्ष बबलू हाड़ी ने की। कार्यक्रम की शुरुआत बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर के तस्वीर पर माल्यार्पण कर तथा उन्हें नमन कर की गई।

सम्मान समारोह के दौरान सभी अतिथियों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया।सम्मान समारोह में मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष राजू हाड़ी, संगठन के जिला प्रवक्ता कार्तिक हाड़ी, उपाध्यक्ष सागर हाड़ी, महिला नेत्री बिजली देवी रक्षा मंत्री भोला हाड़ी, उप कोषाध्यक्ष मनु हाड़ी, कार्यालय सचिव नारायण हाड़ी, संगठन सचिव डब्लू हाड़ी, उप संगठन विनोद हाड़ी, सुभाष हाड़ी, जिला पदाधिकारी किशुन हाड़ी, रामदेव हाड़ी, मीडिया प्रभारी अमित हाड़ी, प्रदीप हाड़ी रवि हाड़ी, संजय हाड़ी, नेपाल हाड़ी तथा सिद्धार्थ हाड़ी शामिल थें।

पार्षदों को रिझाने में कामयाब रहे धुल्लु महतो

कोलफील्ड मिरर 30 अप्रैल (धनबाद): नगर निगम धनबाद के निवर्तमान 35 पार्षदों को रिझाने में कामयाब रहे धुल्लु महतो। रविवार को 35 पार्षदों द्वारा पार्षद अशोक गुप्ता के नेतृत्व में एनडीए प्रत्याशी ढुल्लू महतो को समर्थन के साथ सम्मानित किया गया। समर्थन में सभी 35 पार्षदों ने लोकसभा प्रत्याशी ढुल्लू महतो को अत्यधिक वोटों से विजयी बनाने का संकल्प लिया। ढुल्लू महतो ने सभी पार्षदों का धन्यवाद कर स्वागत किया और स्वागत के उपरांत सभी से भाजपा को वोट करने की अपील किया। पार्षद मनोरंजन सिंह ने कहा कि धनबाद लोकसभा प्रत्याशी जो सदैव गरीब गुरबों, मज़दूरों और आम नागरिकों की सेवा और मदद करने का काम किये हैं धनबाद का सभी तरह विकास होगा हमसभी जनतागण ढुल्लू महतो को भारी मतों से विजयी बनागे,

वही प्रतिनिधि उच्चित महतो ने भारी मतों से मज़दूर के हमदर्द को ज्यादा से ज्यादा वोट करवाने का वादा किया। अंकेश राज उर्फ पप्पू साव ने कहा कि भाजपा ने इस बार एक युवा नेतृत्व को मौका दिया हैं जो सभी वर्गों का विकास करने के लिये वचनबद्ध हैं लोगों का प्यार और अपनापन बहुत मिल रहा हैं। वही पार्षद अंदिला देवी जी के महिलाओं को सम्मान और उनके द्वारा किये गए कार्यों की प्रशंसा करते हुए महिलाओं को भी घर- घर से निकल के वोट दिलाने का वादा किया, पार्षद सुमन अग्रवाल ने महिलाओं के लिए श्री मोदी के द्वारा किये गए कार्यों की प्रशंसा करते हुए भाजपा को वोट ढुल्लू महतो के पक्ष में सभी को वोट दिलाने का वादा किया। सभी पार्षदों के संबोधन और समर्थन के बाद ढुल्लू महतो ने धन्यवाद और आभार व्यक्त किया।

भाजपा धनबाद लोकसभा कार्यालय का उद्घाटन

कोलफील्ड मिरर 30 अप्रैल (धनबाद): धनबाद महानगर जिला अध्यक्ष एवं ग्रामीण जिला अध्यक्ष घनश्याम ग्रोवर के अध्यक्षता मे धैया के राहरगोडा में हवेली गार्डेन में भाजपा धनबाद लोकसभा कार्यालय का उद्घाटन धनबाद के सांसद पशुपति नाथ ने फीता काट कर किया इस दौरान लोकसभा प्रत्यासी ढुल्लू महतो उपस्थित थे। इस कार्यक्रम का संचालन सतेंद्र सिंह ने किया।

इस कार्यक्रम मे धनबाद सांसद पशुपतिनाथ सिंह ने अपने संबोधन मे कहा इस कार्यालय का उद्घाटन का मुख्य उद्देश्य यह है के प्रत्यासी और कार्यकर्ताओ को एक जगह जोड़ा जा सके इस एक जगह से सभी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया जा सकेगा जीत के लिए सब से अहम किरदार कार्यकर्ता का ही होता है। इनके बिना जीत सम्भव नही होता। इस लिए प्रत्याशी और कार्यकर्ताओ का संपर्क होना बहुत महत्त्वपूर्ण है। इस बार प्रधान मंत्री के चार सौ पार के आंकड़े को पार करने का लक्ष्य को पुरा करना है इस लिए सभी कार्यकर्ताओं से निवदेन है जिस प्रकार आप लोगो का प्यार मुझे मिलता रहा है उसी तरह का प्यार ढुल्लू महतो को भी देकर भारी बहुमत से विजय बनाकर लोकसभा भेजने का काम करे।

लोकसभा प्रत्याशी ढुल्लू महतो ने अपने संबोधन मे कहा के जीस प्रकार धनबाद की जनता का प्यार मुझे मिल रहा है उस से मेरे उत्साह मे बढ़ोतरी हो रही है और धनबाद के जनता का सेवा करने का मौका मुझे जरूर प्राप्त होगा मै धनबाद के जनता को विश्वास दिलाता हु मै धनबाद की जनता का बेटा बन कर सेवा करुंगा। मैं धन्यवाद देना चाहूंगा सांसद का जिनका प्यार और आशिर्वाद मुझे सदैव प्राप्त होता आया है और मुझे विश्वास है आगे भी इसी प्रकार मिलता रहेगा। इस कार्यक्रम का संचालन सतेंद्र सिंह ने किया और धन्यवाद ज्ञापन धनबाद महानगर अध्यक्ष श्रवण राय ने किया।

इस दौरान कार्यक्रम मे उपस्थित रागिनी सिंह, सुरेश साहू, घनश्याम ग्रोवर, संजीव अग्रवाल, अमर झा, हरिप्रकाश लाटा, चंद्रशेखर सिंह, रुपेश सिन्हा, मानस प्रसून, नितिन भट्ट, अमरेश सिंह, संजय झा, रीता प्रसाद, रमा सिन्हा, प्रियंका रंजन, बिरेंदर हासदा, प्रितपाल सिंह, अमर चंद्रबंसी, राजकुमार मंडल, निर्मल प्रधान, आनन्द खंडेलवाल, विक्रान्त उपाध्याय, बृजनंदन शर्मा, जीत सोनी, के साथ साथ अनेक कार्यकर्ता भी मौजूद थे।

लोकसभा चुनाव के लिए 18 लोगों ने खरीदे नामांकन पत्र

कोलफील्ड मिरर 30 अप्रैल (धनबाद): लोकसभा चुनाव की अधिसूचना जारी होने के बाद आज 18 लोगों ने नामांकन पत्र खरीदे। इस संबंध में अपर नगर आयुक्त प्रकाश कुमार ने बताया कि सामान्य वर्ग के लिए प्रति नामांकन पत्र का मूल्य 25 हजार रुपए तथा अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के लिए 12500 रुपए निर्धारित है। आज सामान्य वर्ग में 14, अनुसूचित जाति में 3 तथा अनुसूचित जनजाति में 1 व्यक्ति ने नामांकन पत्र खरीदा। नामांकन पत्रों की बिक्री कार्यालय अवधि के दौरान कलेक्ट्रेट में की जा रही है। बिक्री काउंटर पर जिला पंचायती राज विभाग के प्रधान सहायक रमेश कुमार तिवारी, शंभु महतो, नंदलाल चौहान मौजूद थे।

झरिया नगर कांग्रेस कमेटी का जनसंपर्क अभियान

कोलफील्ड मिरर 30 अप्रैल (धनबाद): झरिया नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रत्नेश यादव के नेतृत्व में झरिया नगर के हर मोहल्ले में जाकर जनसंपर्क किया गया और आगामी एक तारीख को नामांकन सभा कैसे मजबूत हो।

मोहरी बांध में मज़दूर नेता मंजु देवी, बकरी हाट अजय सिंह, पूर्व पार्षद वार्ड नंबर 45 सेख सुल्तान, आरजेडी नेता उपेंद्र यादव, घनुडीह रंजीत गुप्ता लाल झंडा, कोरिबाध सतमोडवा, नई दुनिया आशा विहार कुष्ट कॉलोनी सोनी देवी से मिलकर जनसम्पर्क किया। मौक़े पे अशोक मंडल, के डी मिश्रा, अमर मिश्रा, महेश शर्मा, बीरेंदर कुमार सिंह, भीम निषाद, कुंदन कुमार मोदक, कृष्णा पटेल, सुमित ठाकुर सहित दर्जनों लोग उपस्थित थे।

आखिर कब तक मजबूर रहेगा मजदूर

कोलफील्ड मिरर 30 अप्रैल 2024: श्रमिक अपना श्रम बेचकर न्यूनतम वेतन प्राप्त करता है। यही कारण है कि पूरे विश्व में अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस मनाया जाता है। इसलिए यह दिन अंतरराष्ट्रीय श्रमिक संघों को बढ़ावा देने और प्रोत्साहित करने के लिए है। इस प्रकार, यह समाज में उनके योगदान की सराहना करने और उसे पहचानने का एक विशेष दिन हैं। भारत सहित दुनिया के बहुत से देशों में एक मई को मजदूर दिवस मनाया जाता है। जिसका मुख्य उद्देश्य उस दिन मजदूरों की भलाई के लिए काम करने व मजदूरों में उनके अधिकारों के प्रति जागृति लाना होता है। मगर आज तक तो कहीं ऐसा हो नहीं पाया है।

किसी भी राष्ट्र की प्रगति करने का प्रमुख भार मजदूर वर्ग के कंधों पर ही होता है। मजदूर वर्ग की कड़ी मेहनत के बल पर ही राष्ट्र तरक्की करता है। लेकिन भारत का श्रमिक वर्ग श्रम कल्याण सुविधाओं के लिए आज भी तरस रहा है। हमारे देश में मजदूरों का शोषण आज भी जारी है। समय बीतने के साथ मजदूर दिवस को लेकर श्रमिक तबके में अब कोई खास उत्साह नहीं रह गया है। बढ़ती महंगाई और पारिवारिक जिम्मेदारियों ने भी मजदूरों के उत्साह का कम कर दिया है। अब मजदूर दिवस इनके लिए सिर्फ कागजी रस्म बनकर रह गया है।

मजदूर दिवस दुनिया के सभी कामगारों, श्रमिकों को समर्पित होता है। इस बार की अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस 2024 की थीम है सामाजिक न्याय और सभी के लिए सभ्य कार्य। इसके अलावा भी कई बिंदुओं को रखा गया है। इस थीम का उद्देश है मज़दूरों की गरिमा का ख्याल रखना और उन्हें शांतिपूर्ण कामकाजी वातावरण प्रदान करना।

महात्मा गांधी ने कहा था कि किसी देश की तरक्की उस देश के कामगारों और किसानों पर निर्भर करती है। उद्योगपति खुद को मालिक समझने की बजाय अपने-आप को ट्रस्टी समझे। मगर ऐसा होता नहीं है। मालिक आज भी मालिक बने हुये हैं। मजदूर सिर्फ मजबूर होकर रह गया है। इसी कारण भारत में मजदूरों की स्थिति बेहतर नहीं है। हमारे देश की सरकार भी मजदूर हितों के लिए बहुत बातें करती है। बहुत सी योजनाएं व कानून बनाती है। मगर जब उनको अमलीजामा पहनाने का समय आता है तो सब इधर-उधर ताकने लग जाते हैं। मजदूर फिर बेचारा मजबूर बनकर रह जाता है।

गुरु नानक देव जी ने भी अपने समय में किसानों, मजदूरों और कामगारों के हक में आवाज उठाई थी। गुरु नानक देव जी ने 'काम करना, नाम जपना, बांट छकना और दसवंध निकालना का संदेश दिया था। गरीब मजदूर और कामगार का विनम्रता का राज स्थापित करने के लिए मनमुख से गुरमुख तक की यात्रा करने का संदेश दिया था।

मजदूर एक ऐसा शब्द है जिसके बोलने में ही मजबूरी झलकती है। सबसे अधिक मेहनत करने वाला मजदूर आज भी सबसे अधिक बदहाल स्थिति में है। दुनिया में एक भी ऐसा देश नहीं है जहां मजदूरों की स्थिति में सुधार हो पाया है। दुनिया के सभी देशों की सरकार मजदूरों के हित के लिए बातें तो बहुत बड़ी-बड़ी करती हैं मगर जब उनकी भलाई के लिए कुछ करने का समय आता है तो सभी पीछे हट जाती है। इसीलिए मजदूरों की स्थिति में सुधार नहीं हो पाता है।

भारत में एक मई का दिवस सबसे पहले चेन्नई में एक मई 1923 को मद्रास दिवस के तौर पर मनाना शुरू किया गया था। इस की शुरुआत भारती मजदूर किसान पार्टी के नेता कामरेड सिंगरावेलू चेट्यार ने शुरू की थी। भारत में मद्रास के हाईकोर्ट सामने एक बड़ा प्रदर्शन किया और एक संकल्प के पास करके यह सहमति बनाई गई कि इस दिवस को भारत में भी कामगार दिवस के तौर पर मनाया जाये और इस दिन छुट्टी का ऐलान किया जाये। वर्तमान में भारत समेत लगभग 80 मुल्कों में पहली मई को मजदूर दिवस मनाया जाता है।

हमारे देश केमजदूरों को न तो मालिकों द्वारा किए गए कार्य की पूरी मजदूरी दी जाती है और ना ही अन्य वांछित सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाती है। गांव में खेती के प्रति लोगों का रुझान कम हो रहा है। इस कारण बड़ी संख्या में लोग मजदूरी करने के लिए शहरों की तरफ पलायन कर जाते हैं। जहां ना उनके रहने की कोई सही व्यवस्था होती है ही उनको कोई ढ़ग का काम मिल पाता है। मगर आर्थिक कमजोरी के चलते शहरों में रहने वाले मजदूर वर्ग जैसे तैसे कर वहां अपना गुजर-बसर करते हैं।

बड़े शहरों में झोंपड़ पट्टी बस्तियों की संख्या तेजी से बढ़ती जा रही है। जहां रहने वाले लोगों को कैसी विषम परिस्थितियों का सामना करता है। इसको देखने की न तो सरकार को फुर्सत है ना हीं किसी राजनीतिक दलों के नेताओं को। झुग्गी झोपड़ी में रहने वाले मजदूरों को शौचालय जाने के लिए भी घंटों लाइनों में खड़ा रहना पड़ता है। झोपड़ पट्टी बस्तियों में ना रोशनी की सुविधा रहती है। ना पीने को साफ पानी मिलता है और ना ही स्वच्छ वातावरण। शहर के किसी गंदे नाले के आसपास बसने वाली झोपड़ पट्टियों में रहने वाले गरीब तबके के मजदूर कैसा नारकीय जीवन गुजारते हैं। उसकी कोई कल्पना भी नहीं कर सकता है। मगर इसको अपनी नियति मान कर पूरी मेहनत से अपने मालिकों के यहां काम करने वाले मजदूरों के प्रति मालिकों के मन में जरा भी सहानुभूति के भाव नहीं रहते हैं। उनसे 12-12 घंटे लगातार काम करवाया जाता है। घंटो धूप में खडे रहकर बड़ी बड़ी कोठियां बनाने वाले मजदूरों को एक छप्पर तक नसीब नही हो पाता है।

हमारे देश में आज सबसे ज्यादा काई प्रताड़ित व उपेक्षित है तो वो मजदूर वर्ग है। मजदूरो की सुनने वाला देश में कोई नहीं हैं। कारखानो में काम करने वाले मजदूरो पर हर वक्त इस बात की तलवार लटकती रहती है कि ना जाने कब मालिक उनकी छटनी कर काम से हटा दे। कारखानो में कार्यरत मजदूरों से निर्धारित समय से अधिक काम लिया जाता है। विरोध करने पर काम से हटाने की धमकी दी जाती है। मजबूरी में मजदूर कारखाने के मालिक की शर्तों पर काम करने को मजबूर होता है। कारखानो में श्रम विभाग के मापदण्डो के अनुसार किसी भी तरह की कोई सुविधायें नहीं दी जाती है।

कई कारखानों में तो मजदूरों से खतरनाक काम करवाया जाता है जिस कारण उनको कई प्रकार की बिमारियां लग जाती है। कारखानों में मजदूरो को पर्याप्त चिकित्सा सुविधा, पीने का साफ पानी, विश्राम की सुविधा तक उपलब्ध नहीं करवायी जाती है। मालिको द्वारा निरंतर मजदूरों का शोषण किया जाता है। मगर मजदूरों के हितों की रक्षा के लिये बनी मजदूर यूनियनो को मजदूरो की बजाय मालिको की ज्यादा चिंता रहती है। हालांकि कुछ मजदूर यूनियने अपना फर्ज भी निभाती है मगर उनकी संख्या कम है।

हमारे देश का मजदूर दिन प्रतिदिन और अधिक गरीब होता जा रहा है। दिन रात रोजी-रोटी के जुगाड़ में जद्दोजहद करने वाले मजदूर को तो दो जून की रोटी मिल जाए तो मानों सब कुछ मिल गया। आजादी के इतने सालो में भले ही देश में बहुत कुछ बदल गया होगा। लेकिन मजदूरों के हालात तो आज भी नहीं बदले हैं तो फिर श्रमिक वर्ग किस लिये मजदूर दिवस मनाये।

हर बार मजदूर दिवस के अवसर पर सरकारे मजदूरो के हित की योजनाओं के बड़े-बड़े विज्ञापन जारी करती है। जिनमें मजदूरों के हितों की बहुत सी बाते लिखी होती हैं। किन्तु उनमें से अमल किसी बात पर नहीं हो पाता है। देश में सभी राजनीतिक दलों ने अपने यहां मजदूर संगठन बना रखे हैं। सभी दल दावा करते हैं कि उनका दल मजदूरो के भले के लिये काम करता है। मगर ये सिर्फ कहने सुनने में ही अच्छा लगता है हकीकत इससे कहीं उलटी हैं।

रमेश सर्राफ धमोरा

लोकतंत्र के लिए थोड़ा समय देना हमारा राष्ट्र धर्म है

कोलफील्ड मिरर 30 अप्रैल 2024: लोकसभा के दो चरणों का मतदान का यह दौर अब पूरा हो चुका है और गणित बिठाने की जुगाड में राजनीतिक अपना अपना समीकरण बिठा रहे हैं। प्रतिशत पर ही सब कुछ है। अब क्या अगले चरणों में मतदान का प्रतिशत और बढ़ेगा या कम होगा? दो चरणों के चुनाव सम्पन्न हो गये जिसमें वोटिंग को देखते नेताजी जी के चेहरों पर हवाइयां उड़ने लगीं है। ऊपर से आसमान से गर्म हवा व लूं चल रही है वहीं राजनीति का पारा इन दिनों बढ़ता जा रहा है। वहीं कम वोटिंग का प्रतिशत क्यों थम सा गया है? 100 करोड़ लोगों की यह राष्ट्रीय सरकार कैसे बनेंगी। 50 से 60 प्रतिशत मतदान होना इतनी ज्यादा खुशी की बात तो नहीं लग रही है। जबकि भारत का चुनाव आयोग पूरी ताकत से लगा हुआ है जनजागरण नुक्कड़ नाटक आदि कई प्रकार के कार्यक्रम मतदान के प्रतिशत को बढ़ने के लिए चला रहा है। आखिर लोगों का वोट नहीं डालने के प्रति इतनी उदासीनता क्यों है इस पर ध्यान देना ही चाहिए। जब हम सभी हर पर्व त्योहार जंयती आदि मानते हैं तो लोकतंत्र के महापर्व के प्रति हम सभी उत्साहित क्यों नहीं है क्या चुनाव प्रक्रिया में अभी भी सुधार की जरूरत है। जिससे प्रतिशत में बढ़ोतरी हो, वोट देना हम सभी का अधिकार है। फिर शहरों में जहां पढ़ें लिखे लोग होते हैं वहीं लोग मतदान के प्रति जागरूक क्यों नहीं रहते। हम लोग वोट नहीं डालने जायेंगे तो कैसे राष्ट्र में निष्पक्ष व लोकतांत्रिक सरकार बनेगी। दल दल के गठजोड़ से नहीं जन जन के सहयोग से ही कुछ अच्छा सम्भव है। भारत सरकार के राष्ट्रीय चुनाव आयोग की कार्यकुशलता को देखते हुए जहां एक समय मतपत्र से चुनाव होते हैं आज ईवीएम मशीन द्वारा वोटिंग होती है ओर सुधार की कोशिश जारी है वह प्रयासरत हैं पर कम वोटिंग को देखते हुए नियमों के तहत लोकतांत्रिक व्यवस्था को सुद्दढ़ ढंग से सुधार करना ही होगा। वोट देना जरूरी होना चाहिए हम इस राष्ट्र भारत के नागरिक हैं और यह संविधान के दायरे में लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव करवाना व हम सभी को भी मतदान करना ही होगा। हम मतदाता हैं और हमें मतदान करना ही पड़ेगा। ठंड गर्मी बरसात वह रोजमर्रा के दिनचर्या की जरूरत को देखते हुए वोट देना अति आवश्यक कार्य की सूची में शामिल होना ही चाहिए। इस के लिए समाजिक स्तर पर वोट के महत्व को बताने की जरूरत है। एक लोकसभा चुनाव कितनी मेहनत से करायें जातें हैं। धन व सुरक्षा के लिए बल आदि वह अन्य कार्यों के कारण चुनाव सफ़ल होते हैं। बिजली पानी चुनाव के लिए स्कूल कालेज व अन्य जगह व्यवस्था की जाती है। दूर दराज के लोगों के हक़ के लिए उन्हें सुविधाएं मिलें गरीब मजदूर आदिवासी किसान युवा महिला बालिका और सभी लोगों को अपने भारत को गोरवान्वित करना चाहिए। पर कैसी विडंबना है लाखों हजारों सूरक्षा कमियों अधिकारी वूथ ऐजेंट वोट करने वाले अधिकारी शिक्षक सभी पुरुष महिला निस्वार्थ भाव से राष्ट्र की सेवा करते और जब जनता मतदान नहीं करतीं तो बुरा लगता है और गलत संदेश भी जाता है। वोटिंग प्रतिशत बढ़ने हेतु चंद लोगो के सहयोग से कुछ भी नहीं होने वाला। भारत के हर एक क्षेत्र के सभी व्यक्तियों को वोट डालने के प्रति जिम्मेदारी सौंपी जानी चाहिए। मतदान करना हमारा अधिकार है संविधान का मूल सिद्धांत भी जनता के अधिकारो की बात से होती है और इस बदलाव की इबादत वोट डालने से ही सम्भव है। इस लिए हम सभी को वोट डालने की जरूरत है। चाहे कुछ भी हो इससे घबराना नहीं देश के लिए थोड़ा समय तो देना ही होगा। अभी देश में 2024 के लोकसभा चुनाव हो रहे हैं दो चरण के चुनाव हो चुके हैं पहले चरण में कम मतदान और दुसरे में भी बिहार, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र उत्तरप्रदेश, राजस्थान जैसे हिन्दी बहुल राज्यों में चुनाव के प्रति उदासीनता बहुत सारे सवालों को जन्म दे रहे वहीं असम छत्तीसगढ़ जम्मू कश्मीर कर्नाटक केरल मणिपुर त्रिपुरा पश्चिम बंगाल अच्छा प्रतिशत रहा जहां 5 से 10 प्रतिशत मतदान बड़ा जिससे राजनीति दलों से हलचल हो रही है। अब आने वाले चरणों में देखना होगा क्योंकि चुनाव की इस गतिविधि ने सब कुछ अटपटा कर दिया है इस बार लोकसभा चुनाव देश के लिए बहुत कुछ संदेश देकर जाने वाले हैं। हम लोग वोट डालने के प्रति जिम्मेदारी क्यों नहीं ले रहे हैं। नागरिक क्यों ख़ामोश है मतदाता वह वोट देने के लिए घर के बहार ही नहीं आ रहे हैं। पहले चरण में दक्षिण व पश्चिम बंगाल से उम्मीद थी और दूसरे चरणों में मतदान प्रतिशत की कमी राजनीतिक गणितको व समाजसेवी बुद्धिजीवी व्यक्तियों लिए भी चिंता का विषय बन गया है। अब इस की गुणवत्ता जांचने के लिए जिस प्रकार वोटर आईडी कार्ड व आधार कार्ड की आवश्यकता राष्ट्र के नागरिकों के लिए जरूरी है उसी प्रकार वोट देना भी अति आवश्यकताओं व्यवस्था में शामिल हो सिर्फ चुनाव के समय ही नहीं पूरे साल हर महीने हर दिन अलग-अलग तरीके से मतदान के प्रति सजग बनने हेतु काम होना चाहिए। जो वोट नहीं देते उसके प्रति राष्ट्रीय स्तर पर सवाल जवाब किए जायें क्योंकि उस व्यक्ति ने अपने अधिकारों का उपयोग देश हित में नहीं किया। इस के लिए अर्थ दंड प्रक्रिया भी होना चाहिए। तभी चुनाव में वोटिंग प्रतिशत बढ़ने हेतु पूरी तरह जनमानस की जन चेतना जागृत होगी। बचें हुऐं चुनाव के इन चरणो मे हम सभी जिन्हें वोट देने का अधिकार है उन्हें अब वोट डालने हेतु आगे आना ही होगा। तभी लोकतंत्र मजबूत होगा।

हरिहर सिंह चौहान
इन्दौर मध्यप्रदेश

गर्मी में जीवों की रक्षा हमारा परम दायित्व

कोलफील्ड मिरर 30 अप्रैल 2024: तेजी से बदल रहे पर्यावरणीय पैमानों, पारिस्थितिकी असंतुलन और मनुष्य की अति महत्वाकांक्षी सोच की वजह से आज पूरी दुनिया के जीवों का जीवन मुश्किल होता जा रहा है। इंसान अपने दायित्वों को भूलते जा रहे हैं। उन्हें जिम्मेदारियां का एहसास नहीं। वह सिर्फ अपने बारे में सोचते और अपने लिए ही कर्म करते है, उन्हें दुनिया की परवाह नहीं। भौतिकवादी युग में पर्यावरण के बदलाव की वजह से जीवों की जीवन शैली पर विपरीत असर पड़ रहा है। ग्लोबल वार्मिंग के प्रभाव से गर्मी के मौसम में तापमान बढ़ने से पक्षियों के लिए जीवन जीना बहुत कठिन प्रतीत हो रहा है। यदि उनकी आवश्यकतानुरूप वातावरण और आवश्यक सुविधा मुहैया करवा दी जाए तो शायद उन्हें जीवन दान दिया जा सकता है। दिनों दिन कम होते जंगल और घटते जल स्रोतों की वजह से खास कर पक्षियों को मुसीबत का सामना करना पड़ता है। ऐसे में पक्षियों को भोजन, पानी, आश्रय और घोंसले की जरूरत को पूरा करना जटिल हो जाता है। इसलिए मानवता के धर्म को निभाते हुए गर्मी में थोड़ी सी देखभाल बड़ा कार्य कर सकती है।

गर्मी शुरू हुए कुछ दिन हो चुके है और इस वक्त भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है। ऐसे में इस तपती गर्मी में पक्षियों की देखभाल कर उन्हें सुरक्षा प्रदान करना महत्वपूर्ण हो जाता है। इस हेतु आवश्यकता है थोड़े से साधन-संसाधन और समय की उपलब्धता की। जरूरी है कि आपके मन में सेवा भाव और प्रकृति प्रेम हो। घर के बाहर बगीचे में, छत पर या फिर बालकनी में अनेक पक्षियों की जरुरत को आप पूरा कर सकते है। पहले गर्मियों के दौरान, जंगली पक्षियों के पास कई प्राकृतिक खाद्य स्रोत होते हैं, जिनका वे लाभ उठाते थे। लेकिन घटते जंगल और बदलती जलवायु की वजह से अब पक्षियों की जरूरतें पूरी नहीं हो पा रही है। इस गर्म मौसम में भोजन की तलाश में वह एक स्थान से दूसरे स्थान पर भटकते है। ऐसे में उन्हें कुछ भोजन प्रदान करके हम उनकी सहायता कर सकते है। आज के समय में जो पक्षी, किट-पतंगों पर आश्रित रहते है उन्हें अच्छे भोजन की तलाश में अधिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। आजकल बहुत अधिक मात्रा में कीटनाशकों का उपयोग किया जा रहा है। कई बार ऐसे पक्षियों की मौत भी हो जाती है। अगर विषाक्त कीटनाशकों को कम से कम उपयोग किया जाए तो पक्षियों का भोजन और भी बेहतर होगा।

गर्मीयों में अपने घरों के बाहर, छतों पर पानी के बर्तन रखें। हो सकें तो छतों पर पक्षियों के लिए छाया की भी व्यवस्था करें। पक्षियों के शरीर में इलेक्ट्रोलाइट की मात्रा संतुलित रहे, इसके लिए पानी में गुड़ की थोड़ी मात्रा मिलानी चाहिए। इससे गर्मी में तापमान से राहत मिलती है और शरीर में पानी की कमी नहीं होती। घर के बाहर किसी बर्तन में यदि साफ पानी भर कर रखते है तो इसे देख पंछी जरूर आकर्षित होकर अपनी प्यास बुझाते हैं। गर्मी के मौसम में भोजन, पानी के अलावा एक सुरक्षित आश्रय का भी इंतजाम किया जा सकता है। अच्छे और साफ पानी की तलाश कर रहे पक्षियों की सहायता हमारा नैतिक कर्तव्य और दायित्व है।

दिनों दिन कम होते जंगल और बढ़ते शहरीकरण की वजह से अपने आश्रय की तलाश में इन जीवों को बहुत मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। गर्मियों में कभी-कभी तेज आंधी, गर्म हवा और तेज गर्मी का प्रकोप बड़ा परेशान करता है। इसमें छोटे पक्षियों के लिए बहुत ही दुर्गम समय होता है। गर्म मौसम में आराम करने के लिए पक्षियों को पेड़ों की गहरी छाया की आवश्यकता होती है। अपने आसपास जगह देखकर पेड़ों के लगाने की भी व्यवस्था की जा सकती है, इससे पर्यावरण को भी लाभ पहुंचेगा। भागदौड़ भरे जीवन में थोड़ा सा समय निकल कर इन जीवों की सहायता करना मानवीय धर्म है। आप पक्षीयों के हितों की रक्षा करते हुए इनकी जरुरत का ज़्यादा से ज्यादा ध्यान रखें। थोड़े से दाने और थोड़ा पानी रख कर इनको संतृप्ति देने का काम करके परोपकार का एक अनूठा उदाहरण रख सकते हैं। अपने अंतर मन से जीवों के प्रति प्रेम, उदारता से उन्हें मदद पहुंचाना बड़ा उपकारी कार्य होगा। अपनी चेतना को जागृत करके इस विषय को गंभीरता से विचार करते हुए हर संभव प्रयास करें कि जीव संरक्षण को संबल मिला सकें।

डॉ. मनीष दवे
महालक्ष्मी नगर, इंदौर

अव्वल आख़िर जिंदगी का मकसद ख़ाक़ है सुन लो

हां सभी तो अपने ही थे
उनका ग़िला क्या करते,
ज़ख्म भी गहरे थे सभी
उनको अयाँ क्या करते,
तेरी मसरुफ़ियत तो
हमको पता है सारी,
तेरे आने की खुशी वादों
पे यक़ीं क्या करते,
जब सितारे भी हाथों से
निकले रफ़्ता रफ़्ता,
फ़िर चांद को पाने की
आरज़ू बता क्या करते,
वह मुसाफ़िर था हमसे
वफ़ा क्यों कर करता ,
हम भी थे मजबूर दिल से
अपने दग़ा क्या करते,
खुली हवा में उड़ने का वह
आदी था नहीं समझे,
हाथ फ़ैलाकर उसको बुलाते
तो भला क्या करते,
अव्वल आख़िर जिंदगी का
मक़सद ख़ाक़ है सुन लो,
महल और अटारी हम भी बना
लेते तो बता क्या करते ,
ख्वाबों के जज़ीरे का नक्शा
आंखों में फिरा करता है,
बेसिम्त चल रही थीं हवाएं
"मुश्ताक़" बता क्या करते?

डॉ. मुश्ताक अहमद शाह
सहज़ हरदा मध्यप्रदेश
कोलफील्ड मिरर

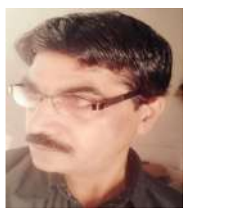

ड्राइविंग के दौरान मोबाइल फोन पर बातचीत एक बडे खतरे की निशानी

कोलफील्ड मिरर 30 अप्रैल 2024: आज के समय में मोबाइल फोन हर किसी के लिए एक अनिवार्य आवश्यकता बन गया है, अतः इसी कारण हर कोई उसे हमेशा अपने पास रखना पसंद करता है। छोटा हो या बड़ा व्यक्ति हर किसी के लिए मोबाइल से अच्छा दोस्त कोई और हो ही नहीं सकता है, ठीक भी है कारण मोबाइल आज के समय में परिवार एवं अपनों से जुड़ाव का एक सबसे बड़ा साधन बन गया है हर किसी को आवश्यकता अनुसार समय-समय पर मोबाइल का इस्तेमाल करके अपनों के दुख सुख का हाल-चाल जानते रहना चाहिए, परंतु यही मोबाइल सड़क पर पेदल चलते समय या फिर वाहन चलाते समय इस्तेमाल करना किसी बड़े खतरे से खाली नहीं है, कारण कब किधर से कोई खतरा सर पर आ जाए, कह नहीं सकते। हमें उन सब वाहन चालकों से सख्त नाराजगी है जो दुपहिया या फिर चार पहिया वाहन चलाते समय मोबाइल पर बातचीत करते हैं कारण तब बातचीत करते समय उन्हें अपने आगे- पीछे से आने वाले किसी भी खतरे का भान नहीं रहता है। वाहन चलाते समय मोबाइल का उपयोग करना सड़क सुरक्षा के लिए भी एक बड़ा गंभीर खतरा पैदा करता है कारण मोबाइल प्रयोग करते हुए चलते समय न केवल वाहन चालक बल्कि वाहन में बैठी सवारियों के लिए भी बड़ा खतरा रहता है। अक्सर ही सड़कों पर लोगों के ऐसे व्यवहार को रोकने के लिए और जिम्मेदार ड्राइविंग आदतों को बढ़ावा देने के लिए हमेशा ही ट्रैफिक पुलिस सड़कों पर आकर ऐसे वाहन चालकों को जो वाहन चलाते समय मोबाइल पर बातचीत करते पाए जाते हैं उन्हें न केवल रोकने का प्रयास करती है बल्कि उन्हें उनके इस अपराध के लिए दंडित भी करती है,उनका चालान भी करती हैं एवं उन्हें ड्राइविंग करते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल नहीं करने की बात पर जोर देने के लिए भी कहती है। देश भर में पुलिस ऐसे वाहन चालकों को बारंबार इस अपराध से बचने के लिए अपनी ओर से समझाने का भरपूर प्रयास करती है कि वे अपनी एवं अपने परिवार की सुरक्षा के लिए वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग बिल्कुल भी ना करें। अतः हम भी इस बात से सहमत हैं कि हमें दोपहिया वाहन या फिर चौपहिया वाहन चलाते समय हमेशा मोबाइल का उपयोग करने से बचना चाहिए एवं किसी का भी फोन आने पर या किसी को फोन लगाते समय 5 मिनट सुरक्षित जगह पर वाहन बंद करके बातचीत कर लेना चाहिए यही अपने एवं अपनों के बचाव का सर्वोत्तम सुरक्षित तरीका है फिर वे जो बात करते समय मोबाइल को गरदन एवं कंधे के बीच में लगाकर वाहन चलाते हुए अपनो से बातचीत करते हैं वह भी एक तरह से आगे चलकर अपनी गर्दन का दर्द ही बढ़ते हैं क्योंकि आगे चलकर गरदन का दर्द हमेशा हमेशा की एक परेशानी बढ़ जाता है फिर इस ढंग से बात चीत करते समय ऐसे में अचानक सामने से या फिर पीछे से वाहन आने पर हमेशा किसी बड़ी दुर्घटना का भी भय बना रहता है। अतः हमें दुपहिया या चार पहिया वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग बिल्कुल भी नहीं करना चाहिए।

एमएम राजावतराज
न्यू रोड, शाजापुर

जग में क्रांति अभी और शेष है

जग में है भीषण मार काट
पीड़ित तन मन और क्लेश है।
जीवन के पथ में दुविधा है
नफ़रत दुर्भावना और विशेष है।
मिट जाए नफ़रत की आंधी
जग में क्रांति अभी और शेष है,
जग में क्रांति अभी और........।

कल क्या खाएंगे , क्या होगा
रोज़ी रोटी की फिर दुविधा है।
खाली पन बिना हाथ काम के
काम काज की नहि सुविधा है।
निठल्ले और लाचारी जग में
तम का जादू और विद्वेष है।
जग में क्रांति अभी और शेष है,
जग में क्रांति अभी और........।

झूठ फरेब ढोंग छल बाजी
जनता सच सीधी-सादी है।
राज नीति पाखंड कपटों से
दूर गांव तक आबादी है।
सच्चे मन के रिश्ते है कमतर
क्रूर कपट , छल , समावेश है।
जग में क्रांति अभी और शेष है,
जग में क्रांति अभी और........।

नारी शोषित पीड़ित वंचित
धर्म ढोंग की जड़ फसाद है।
रोती बिलखती कौन सुनेगा
नग्न सड़क पर दौड़ा उन्माद है।
काम पिपासु तन नोचते गिद्ध
रंगे सियार छद्म निजाम वेष है
जग में क्रांति अभी और शेष है,
जग में क्रांति अभी और.......।

धर्म जाति वर्ग संघर्ष देश में
समरसता हुआ आज अस्त है।
स्वार्थ दंभी लालच में दग्धित
नीच अधम अब राज मस्त है
जनता पीड़ित नारी पीड़ित
दीप बुझा दीन हीन त्रस्त है।
ईर्ष्या धर्म जाति कटुता से
पंगु बना विश्व गुरु देश है।
जग में क्रांति अभी और शेष है,
जग में क्रांति अभी और.......।

समरस प्रेम शांति पूर्ण उद्बोध,
सत्यमेव जयते अति शेष है।
प्रेम सद्भाव जग शांति अभी
मिटे कलुषित मुद्दे ये अशेष है।
अहिंसा शांति विश्व संदेश है।
जग में क्रांति अभी और शेष है,
जग में क्रांति अभी और.......।

के एल महोबिया
कोलफील्ड मिरर

महंगाई

टिमटिमाते दीये से पूछे
महंगाई का हाल
मुस्कुराके वो होले से बोल उठा
मेरी तरह हर इन्सान त्रस्त है
मै तो ईश्वर का माध्यम हूँ
मेरी बदोलत ही इन्सान
ईश्वर से जीवन मे कठिनाइयों को
दूर करने की चाह रखता है
तो क्यों न मांग लू ईश्वर से
महंगाई दूर करने का वरदान
मै तो एक छोटा सा दीया हूँ
जो देता आया हूँ हर घर में
विश्वास और आस्था का हौंसला
किन्तु मुझे भी डर है
भ्रष्टाचार की आँधियों से
जो मुझे बुझा ना दे
सचाइयो के हाथो की आड़ लेकर
ढांक लो जरा मुझे
अगर बुझ गया तो
इन्सान कभी भी
महंगाई कम होने का वरदान
मांग ना सकेगा ईश्वर से|

संजय वर्मा "दृष्टि"
कोलफील्ड मिरर

बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाले में सरकारी अधिकारियों के खिलाफ सीबीआई जांच पर रोक

कोलफील्ड मिरर 30 अप्रैल (कोलकाता): सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाले में सरकारी अधिकारियों के खिलाफ सीबीआई जांच पर रोक लगा दी। कोर्ट ने पूछा है कि क्या 25 हजार नियुक्तियों में से सही तरीके से किए गए टीचर्स के अपॉइंटमेंट को अलग किया जा सकता है? सुप्रीम कोर्ट इस मामले की सुनवाई 6 मई को करेगा। याचिका में कहा गया था कि हाईकोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी जाए, जिसमें सभी नियुक्तियों को रद्द कर दिया गया है।

चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि देखिए इसे किस तरह से किया गया है। ओएमआर शीट को पूरी तरह से नष्ट कर दिया गया। जो लोग पैनल में नहीं थे, उन्हें रिक्रूट किया गया। यह फ्रॉड है।

वरिष्ठ वकील राकेश द्विवेदी ने हाईकोर्ट के फैसले पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि सभी नियुक्तियों को खारिज कर दिया गया है, जबकि सीबीआई को अब तक जांच में सिर्फ 8000 नियुक्तियों में खामियां मिली हैं। स्कूल सर्विस कमीशन ने भी कहा कि जो नियुक्तियां सही तरह से हो सकती थीं, उन्हें अलग किया जा सकता था।

कलकत्ता हाईकोर्ट ने 22 अप्रैल को 2016 में की गई 25 हजार 753 नियुक्तियों को रद्द कर दिया था। हाईकोर्ट ने इन शिक्षकों को 7-8 साल के दौरान मिली सैलरी 12% इंटरेस्ट के साथ लौटाने के निर्देश भी दिए हैं। इसके लिए कोर्ट ने 6 हफ्ते का समय दिया है।

पश्चिम बंगाल सरकार ने 2016 में स्टेट लेवल सेलेक्शन टेस्ट-2016 के जरिए सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों के लिए टीचिंग और नॉन टीचिंग स्टाफ भर्ती किया था। तब 24,640 रिक्त पदों के लिए 23 लाख से अधिक लोगों ने भर्ती परीक्षा दी थी। इस भर्ती में 5 से 15 लाख रुपए तक की घूस लेने का आरोप है। मामले में कलकत्ता हाईकोर्ट को कई शिकायतें मिली थीं। भर्ती में अनियमितताओं के मामले में सीबीआई ने राज्य के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी, उनकी करीबी अर्पिता मुखर्जी और एसएससी के कुछ अधिकारियों को गिरफ्तार किया था। अर्पिता पेशे से मॉडल थीं।

बंगाल सरकार ने कहा कि वह उन सभी 25,753 शिक्षकों और नॉन टीचिंग स्टाफ को अप्रैल के वेतन का भुगतान करेगी, जिनकी नियुक्तियां रद्द की गई हैं। राज्य सरकार ने कहा कि सभी कर्मचारियों ने लगभग पूरे अप्रैल काम किया है। इसलिए मामले पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने तक सभी को सैलरी दी जाएगी।

लम्हें जिंदगी के एवम दिल्ली हिन्दी साहित्य सम्मेलन की काव्य गोष्ठी संपन्न

डॉ. शंभू पंवार

कोलफील्ड मिरर 30 अप्रैल (नई दिल्ली): लम्हें जिंदगी के एवं दिल्ली हिंदी साहित्य सम्मेलन के संयुक्त तत्वावधान में काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया।

राजधानी के सेवा भारती भवन में विनय कुमार की अध्यक्षता में आयोजित काव्य गोष्ठी की मुख्य अतिथि प्रसिद्ध समाजसेवी आरती अरोड़ा एवम विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉक्टर सैयद नज़म इक़बाल और डॉ अवधेश तिवारी उपस्थित रहे। सान्निध्य प्रसिद्ध वरिष्ठ कवयित्री इंद्रा मोहन का रहा। काव्य गोष्ठी की संयोजिका सरोजिनी चौधरी एवं संस्थापिका डॉ पूजा भारद्वाज की उपस्थिति गरिमामय रही।

काव्य गोष्ठी में आचार्य अनमोल, भूपेंद्र राघव, ओंकार त्रिपाठी, सुरेंद्र शर्मा, संतोष संप्रिति, कामिनी मिश्रा, सुमन मोहिनी, डॉ रश्मि चौबे, बबली सिन्हा वान्या, दिनेश तिवारी, पुनीता सिंह, राजबीर, कृष्ण सोलंकी, राजेश श्रीवास्तव, चंचल हरेंद्र वसिष्ठ, एवम डॉ सैयद नज़्म जी की गज़ल ने सभी का दिल जीत लिया।

काव्य गोष्ठी में दिल्ली और एनसीआर के 35 कवियों व साहित्यकारों ने अपनी कविता का मधुर कंठ से सस्वर वाचन किया।

गोष्ठी का संचालन और सरस्वती वंदना पूजा श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर हिंदी प्रेमी, कविता प्रेमी, और समाज के अनेक सम्मानित लोग श्रोता के रूप में उपस्थित रहे।

विद्येश्वरी, उड़ान सपनो की, का काव्य प्रहर सफलता पूर्वक संपन्न

डॉ. शंभू पंवार

कोलफील्ड मिरर 30 अप्रैल (नई दिल्ली): प्रतिष्ठित साहित्यिक व सांस्कृतिक संस्था "विद्येश्वरी, उड़ान सपनों की" का पंचम काव्य प्रहर सफलता पूर्वक पीतमपुरा दिल्ली में आयोजित किया गया।

काव्य प्रहर वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. अवधेश तिवारी ने की अध्यक्षता एवम डॉ शिव कुमार गर्ग के संरक्षण व राजेश लखेरया के संयोजन में सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप्ति अग्रवाल की मधुर वाणी में माँ शारदे की खूबसूरत वंदना से हुआ। तत्पश्चात संस्थापिका सुषमा गर्ग व डा.शिवकुमार गर्ग ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध कवि मनोज कामदेव, राजेश श्रीवास्तव, अंजली अदा, हुमा कुरैशी जी के सानिध्य में प्रसिद्ध हास्य कवि राजेश लखेरया, संतोष संप्रति, सुलेखा अग्रवाल, पूनम गोयल, दिनेश तिवारी, दीप्ति अग्रवाल, अंबिका झा, गुस्ताख हिंदुस्तानी, शंकर भारती, हरिनारायण जाट, सुषमा गर्ग की प्रस्तुति शानदार रही।

उपस्थित श्रोताओं ने कार्यक्रम का भरपूर आनंद लिया। संचालिका के रूप में मधुर कंठ की स्वामिनी उषा श्रीवास्तव ने अपने शानदार और मनमोहक संचालन ने समा बांध दिया। अंत में संस्थापिका सुषमा गर्ग जी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

झूठ बोले कौवा काटे

(30 अप्रैल- राष्ट्रीय ईमानदारी दिवस)

कोलफील्ड मिरर 30 अप्रैल 2024: बांछे खिल गई यह जानकर सत्य बोलने के लिए भी एक दिन मुकर्रर है और वह है तीस अप्रैल! भई वाह! अप्रैल माह का भी अंदाज निराला है। भला हो द बुक आफ लाइज, फिब्स, टेल्स, स्कीम्स, स्कैम्स, फेक्स एंड फ्राड्स, दैट हैव चेंज द कोर्स आफ हिस्ट्री एंड इफेक्ट अवर डेली लाइव्स के लेखक हिरश गोल्डबर्ग का जिन्होने झूठ के जश्न (पहली अप्रैल) के जवाब में माह के अन्तिम दिन को 1990 के दशक में सच्चाई के जश्न के नाम कर दिया। फूल यानि झूठ को संतुलित करने उन्हें यह जरूरी लगा!

पलड़ा झूठ का भारी

यानी मान लिया कि साल में तीन सौ चौंसठ दिन झूठ का पलड़ा भारी है, एक दिन निरीह सत्य के नाम ही सही! निरीह इसलिए कि बलि का बकरा एक ही दिन को बनेगा, शेष दिन तो झूठ के नाम हैं!

झूठ बोले कौवा काटे... काले कौवे से डरियो!

यह बोल भी अनायास इस दिवस पर याद आ रहे हैं। दरअसल अब काटने को कौवे भी अपने देश में दुर्लभ जीव हो चले हैं। श्राद्ध पक्ष में मुंडेर पर कौआ दिख जाए तो यह भी जश्न से कम नहीं। बहरहाल यह कल्पना का विषय है कि इस एक दिन सच बोलने को किसका जिगरा कितना बड़ा है!

- गौर फरमाएं...
- कितने ईमानदार और संवेदनशील हैं आप झूठ और सच को लेकर...?
- आटे में नमक जितना झूठ जीवन को रसमय बनाता है...पर इसका उलट त्राहिमाम का नाद है।
- ईमानदारी पर आलेख, संभाषण आसान है, पर व्यवहार में यह चूंचूं का मुरब्बा है!
- ईमानदारी और बेईमानी एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। एक के बिना दूसरे का अस्तित्व नहीं और नाही कीमत...ठीक वैसे ही जैसे सुख के बिना दुख बेमानी है और दुख को जाने बिना सुख की कोई औकात नहीं!
- ईमानदारी के संदर्भ में चलते चलते गौर फरमाएं...

एक पति उतना भी बुरा बेईमान नहीं होता, जितना उसकी पत्नी समझती है और बेशक उतना अच्छा ईमानदार भी नहीं, जितना उसकी मां समझती है...!

यक्ष प्रश्न फिर वहीं कि फिर वह वास्तव में है कैसा... तो जनाब इसका जवाब उसके मित्र बेहतर दे सकते हैं! आशा है, अब आप ईमानदारी से लिपटी विडंबना समझ गए होंगे!

साधना सोलंकी
वरिष्ठ पत्रकार
जयपुर राजस्थान

कदम-कदम पर गुरु की जरूरत पड़ती है

सुखदेव और नारद के प्रसंग से समझाया कि कैसे आदमी अपने अच्छे कर्मों को ख़त्म कर देता है

कोलफील्ड मिरर 30 अप्रैल (उज्जैन/ म.प्र.): इस समय के युगपुरुष, पूरे समरथ सन्त सतगुरु, दुःखहर्ता, उज्जैन वाले बाबा उमाकान्त जी महाराज ने अधिकृत यूट्यूब चैनल जयगुरुदेवयूकेएम पर लाइव प्रसारित संदेश में बताया कि प्रेमियो! कदम-कदम पर गुरु की जरूरत पड़ती है। और जब गुरु की दया हो जाती है, यही धीरे-धीरे सीढ़ी-सीढ़ी अपने वतन अपने मालिक के पास जीवात्मा पहुंच जाती है। तो गुरु कहते हैं, पकड़ो बांह हमार। आप उंगली पकडते हो तो माया के बाजार में, धन में, प्रतिष्ठा में, दुनिया की चीजों में, पुत्र परिवार औरत पति के मोह में फंस कर उंगली छोड़ देते हो। यहां तो खूब (सतसंग) सुनते हो और समझते भी हो लेकिन जब यहां से जाओगे तो वही नमक तेल लकड़ी, वही हमारे भैया, बहिन, वही हमारी पत्नी, पति, वही हित मित्र रिश्तेदार दिखाई पड़ेंगे और आप गुरु को प्रभु को भूल जाओगे। लेकिन जब वह हाथ पकड़ते हैं तब नहीं छोड़ते हैं। पकड़ कर ले आए न गुरु महाराज आपको यहां। आप घर से निकलने वाले थे? बहुत से लोग घर में बैठकर यही सोचने लगे कि ठंडी हो रही है, ठंडी में कहां जाएंगे, कहां रहेंगे, कहां रुकेंगे। लेकिन आप लोगों के ऊपर दया हुई और आप खिंच करके यहां पर आ गए। ऐसे ही जो हाथ गुरु का पकड़ लेते हैं, उनको गुरु खींच लेते हैं, छोड़ते नहीं है। क्योंकि इसलिए भेजे जाते हैं कि- हम आये वही देश से, जहां तुम्हारा धाम, तुमको घर पहुंचावना, एक हमारो काम। उनका एक लक्ष्य, एक उद्देश्य रहता है कि हम तुमको अपने असला घर पहुंचा दें, इसीलिए आते हैं। गुरु महाराज बहुत लोगों को नामदान दिये और नामदान ही नहीं दिये, उनके कर्मों को कटवाए, सेवा करवा करके। आप क्या सेवा करोगे? सेवा तो अब रह ही नहीं गई क्योंकि बहुत संख्या हो गई आपकी। गुरु महाराज के समय में बहुत कम लोग थे। हम लोगों ने कम सेवा किया? यह जो गांठे अब भी (हाथों में) पड़ी हुई है, यह सब फावड़ा चलाने में, खेती का काम करने में, झाड़ू लगाने में, लैट्रिन पेशाब साफ करने में, गांठे बनी, यह सब शरीर के अंग लगे हैं तो बड़ी सेवा होती थी। सेवा करवा करके कर्मों को कटवाते थे। और सेवा करवा करके कर्मों को इकट्ठा करते थे कि वह दूसरों के काम आ जाए। पहले आदमी को मालूम हो जाता था कि हमारे पास पाप कर्म कितने हैं और पुण्य कितना है। तो पाप तो लोग करते ही नहीं थे, हो जाता था तो वह बात अलग थी। लेकिन पुण्य इतना इकट्ठा हो जाता था की उसी से वह (पाप) कट जाता था।

कर्मों को काटने के लिए बनाये गए नियम

देखो गृहस्थ का कैसा नियम बना दिया था। जैसे झाड़-पोंछा लगाते हैं, कीड़े-मकोड़े नहीं देख पता है आदमी तो उसमें मर जाते थे। चूल्हे में लकड़ी के अंदर के कीड़े जल कर मर जाते थे तो पाप तो लगता था लेकिन एक दिन-दो दिन इस तरह का होता था की चूल्हा जले ही नहीं। पूरे घर के लोग 15 दिन में एकादशी रहते थे। कोई भोजन बनता ही नहीं था। क्वार महीने में घर से बाहर जाकर आवंले के पेड़ के नीचे पका करके खाते, प्रायश्चित करते थे लोग। उससे क्षमा हो जाता था। माता जब भोजन बनाने लगती थी तो आटा-दाल आदि बनाते समय एक चुटकी आटा-दाल-चावल आदि रख देती थी। भंडारा में कोई रुखा दुखा आ गया, उसे खिला दिया, उससे ये सब छोटी-छोटी चीजों का क्षमा हो जाता, कर्म कट जाते थे। तो भारी कर्म बनते नहीं थे लेकिन पुण्य कर्म बनते थे। तो पुण्य कर्म की वजह से पहले लोग क्या करते थे? कहा गया है- काम न जीता, क्रोध न जीता, यह कोई जीत पाते हैं? कंचन तजना सहज है, सहज त्रिया का नेह, मान बढाई ईर्ष्या, दुर्लभ तजना देह। मान सम्मान प्रतिष्ठा को कोई तजना चाहता है? तब किसी ने कुछ बोल दिया, कुछ हरकत कर दिया तो लोग श्राप दे देते थे तो उसका नुकसान हो जाता था। जो अच्छे कर्म होते थे, उसमें चले जाते थे। और बोलने वाले, करने वाले को पता नहीं चलता था कि कितने हमारे (अच्छे) कर्म खत्म हो जाएंगे।

सुखदेव और नारद का प्रसंग

आपको सुखदेव के बारे में बताया गया की सुखदेव के अंदर 14 विद्या थी। लेकिन 12 बार राजा जनक, जो उस समय के त्रिकालदर्शी महात्मा थे, उनकी उसने निंदा किया और वे सब कर्म खत्म हो गए। तो नारद गरीब मजदूर का भेष बना करके और उसको बोध कराये। नारद मजदूर बन करके पानी में मिट्टी फेंक रहे थे और सुखदेव वहां से जा रहे थे। पूछा क्या कर रहे हो? बोले, पानी में पुल बना रहा हूं। सुखदेव ने कहा पुल ऐसे बन नहीं सकता है। मिट्टी तो सब बह जाएगी। तुम्हारी दिनभर की मेहनत बेकार चली जाएगी। नारद ने कहा हमारी तो दिन भर की मेहनत बेकार जाएगी और वेदव्यास का पुत्र, सुखदेव, उसकी तो पूरी जिंदगी की मेहनत बेकार जाने वाली है।

अब सुखदेव चैतन्य हो गए क्योंकि सुखदेव वो स्वयं थे। पूछे सुखदेव की मेहनत कैसे बेकार जाएगी? नारद बोले, राजा जनक जो इस समय के वक्त गुरू त्रिकालदर्शी है, सुखदेव उनकी निंदा बारह बार तो कर चुका, दो बार और कर देगा तो (उसकी कमाई हुई) सब (विद्या) खत्म हो जाएगा। तो ऐसे पता नहीं चलता है। किसको क्या कह देने में कितने कर्म चले जाएंगे। पंजाब में 10 गुरु हुए। उसमें अर्जुन साहब ने उस पर रोक लगा दिया और अंतर में उस (अंतर साधना की कमाई) को जमा करने लग गए। तो (अब आदमी को) पता ही नहीं चलता कि कितना अच्छा (कमाया) है, कितना क्या है। तो उस पर लग गया ब्रेक। तो आपको मैं बता रहा था, जब यह कर्म कटते हैं तब आदमी आगे बढ़ता है, लेकिन कर्म काटना जो जानता है वही कर्म काट सकता है। (इसलिए ऐसे जानकार भेदी गुरु को खोजना चाहिए)

भीषण अगलगी की घटना में 5 घर जले, लाखों का सामान जलकर राख

कोलफील्ड मिरर 30 अप्रैल (ऋषि कान्त मिश्र) पीरपैंती-: प्रखंड के मोहनपुर में आग लगने से लगभग 5 परिवार का घर एवं उसमे रखा सारा सामान आग की चपेट में आकर जलकर स्वाहा हो गया।

आग इतना भयावह था कि स्थानीय लोग जब तक कुछ समझ पाते तब-तक आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। ग्रामीणों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया तब तक सूचना पाकर दमकल भी पहुंचा व आग को पूरी तरह से बुझाया, लेकिन तबतक घर एवं उसमें रखा सभी खानेपीने का सामान जलकर राख हो गया था।

वहीं क्षेत्रीय राजनीतिक एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने आग लगी से पीड़ित परिवार को शीघ्र सरकारी सहायता देने की मांग किया है।

पञ्चाङ्ग पूजन व अरणि मंथन के साथ नौ दिवसीय महायज्ञ का शुभारम्भ

कोलफील्ड मिरर 30 अप्रैल (ऋषि कान्त मिश्र) पीरपैंती-:प्रखण्ड के ओलापुर पंचायत के मधुबन शीतला स्थान में बाल संत त्यागी जी महाराज इंटरनेशनल भिखारी के तत्वावधान में आयोजित शक्ति महायज्ञ को लेकर सोमवार को यज्ञाचार्य हरेन्द्र शास्त्री वाराणसी के द्वारा विशाल यज्ञशाला के पश्चिमी द्वार पर प्रधान यजमान सहित अन्य यजमानों के द्वारा पञ्चाङ्ग पूजन के तहत यज्ञाचार्य, ब्रह्मा व अन्य ब्राह्मणों को वरण किया गया। फिर यज्ञशाला की परिक्रमा के साथ आचार्य, ब्रह्मा व यजमान मंडप में प्रवेश किए तथा वैदिक ब्राह्मणों के मंत्रोचार व अरणी मंथन के द्वारा अग्नि प्रज्वलित कर नौ कुण्डीय हवनात्मक यज्ञ का शुभारम्भ किया। जबकि सांध्यकालीन आरती में स्थानीय लोगों सहित महिलाओं ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। वहीं यज्ञाधीस त्यागी जी महाराज ने बताया की 156 वें महा यज्ञ में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए अनवरत माँ अन्नपूर्णा का भंडारा चल रहा है।

BHOLA ELECTRICAL
G.T.ROAD NEAMATPUR, AASANSOL WEST BENGAL—713359
ALL KIND OF ELECTRICAL JOB : CONTACT : 9064588166
SALES, SERVICE & CCTV CAMRA INSTALLATION,
HOUSE WIRING, MOTER & FAN WINDING

अनिल यादव के नेतृत्व में पूर्व जिप सदस्य के पुत्र समेत दर्जनों लोगों ने अन्य दलों को छोड़कर भाजपा का दामन थामा

कोलफील्ड मिरर 30 अप्रैल (निरसा): भाजपा धनबाद ग्रामीण ज़िला मंत्री अनिल यादव के नेतृत्व में एगारकुंड प्रखंड क्षेत्र संख्या 29 के पूर्व ज़िला परिषद् सदस्य निशा देवी के पुत्र रोहित कुमार एवं दर्जनों लोगों ने अन्य राजनीतिक दलों को छोड़ कर भाजपा का सदस्यता ग्रहण किए। सभी को बाघमारा विधायक सह भाजपा के धनबाद लोकसभा प्रत्याशी ढुल्लू महतो ने भाजपा का अंगवस्त्र और माला पहनाकर भाजपा परिवार में स्वागत किए। सदस्यता ग्रहण करने वालों में रोहित कुमार, नीरज सिंह, भोला रवानी, सूरज सिंह, दीपक सिंह, जितु यादव, सुभम् जयसवाल, प्रताप कुमार, अंकित यादव, सुभम् रॉय, युवराज यादव अन्य शामिल हुए।

मतदान केंद्र, सरकारी कार्यालय, पंचायत भवन में निर्वाचन की सूचना चिपकाए गये

कोलफील्ड मिरर 30 अप्रैल (निरसा): एगारकुंड प्रखंड अंतर्गत विभिन्न मतदान केंद्र, सरकारी कार्यालय, पंचायत भवन में सोमवार को नोडल पदाधिकारी प्रमोद कुमार झा के नेतृत्व में 07 धनबाद लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाचन की सूचना /प्रपत्र एक/ चिपकाए गया। इस कार्यक्रम में अमित तिवारी, राजीव रंजन मिश्रा, अरुण कुमार सिंह, पुरुषोत्तम कुमार सिंह, कन्हैया सिंह, छत्रपति शाही किसकू आदि उपस्थित थे।

राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं भ्रष्टाचार निवारण संगठन ने देवकीनन्दन महाराज को सम्मानित किया

कोलफील्ड मिरर 30 अप्रैल (निरसा): राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं भ्रष्टाचार निवारण भारत, संगठन, राष्ट्रीय कार्यालय एवं झारखंड प्रदेश कार्यालय के द्वारा देवकीनंदन ठाकुर महाराज जी को संगठन के द्वारा सम्मानित किया। रविवार को सात दिनों से चल रहे धनबाद जिला के निरसा प्रखण्ड के तिलतोड़िया ग्राम में श्री देवकीनंदन ठाकुर महाराज के द्वारा भागवत कथा के अंतिम दिन राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं भ्रष्टाचार निवारण संगठन भारत के सदस्यों के द्वारा सुबह देवकीनन्दन महाराज को, प्रतीक चिन्ह मोमेंटो, पुस्पगुच्छा, अंगवस्त्र, फल एवम् मिठाई देकर सम्मानित किया गया एवम् संघठन द्वारा आगे बढ़िया कार्य करने का आशीर्वाद प्राप्त किया, देवकीनन्दन ठाकुर महाराज जी संघठन के कार्यों की सराहना कि, देवकीनन्दन ठाकुर महाराज के साथ साथ मोमेंटो एवम् अंगवस्त्र से गोरांगो गोराई एवम् शीतल राय चौधरी जी को भी उनके द्वारा सफल आयोजक के लिए सम्मानित किया गया हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष महेश मीणा का कहना है कि पत्रकार शासन प्रशासन के अधिकारी भागवत कथा आचार्य आदि जो भी अच्छा कार्य करते हैं संगठन की तरफ से उनको सम्मानित किया जाता है। संघठन पिछले सात दिनों से भागवत कथा कार्यकर्म में अपना सेवा देते आ रहें हैं, संगठन की पहल पर प्रति दिन मेडिकल वेन एवम् फ्री हेल्थ चेकअप कुमारदुबी हॉस्पिटल के ऑनर अमन सिंह जी के सौजन्य से उपल्ब्ध कराया गया, साथ में अंतिम दिन संगठन के सदस्यों के द्वारा शर्बत एवम् शीतल जल की व्यवस्था श्रद्धालुओ के बीच वितरण का कार्यक्रम रखा गया, कार्यक्रम में लगभग आठ हजार श्रद्धालु को सेवा दी गई। कार्यक्रम में धनबाद इकाई के सभी सम्मानित सद्स्य अपना अपना सेवा देते हुए कार्यक्रम को सफ़ल बनाने में योगदान दिए पूरे भारतवर्ष में कहीं भी किसी की कोई भी समस्या है हमारे राष्ट्रीय कार्यालय नंबर पर 24 घंटे संपर्क कर सकते हैं।

फिल्मी दुनिया का सुना- अनसुना एक दिलचस्प किस्सा

'चांद छुपा बादल में...' फिल्म 'हम दिल दे चुके सनम' का यह गीत फिल्म से निकाल दिया गया था

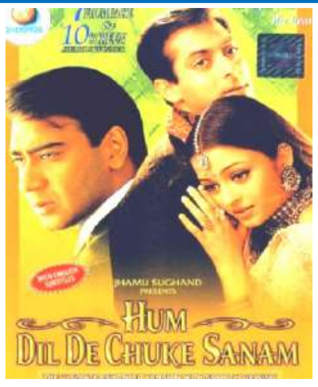

कोलफील्ड मिरर 30 अप्रैल 2024: आज एक ऐसे फिल्मी गाने का किस्सा पेशे नज़र है जिसे फिल्म से हटा दिया गया था। पर उसे फिर से जोड़ना पड़ा। किस्सा फिल्म 'हम दिल दे चुके सनम' का एक बेहद सुरीला और लोकप्रिय गीत- 'चांद छुपा बादल में, शरमा के मेरी जाना...' का है। इस गीत को फिल्म के प्रदर्शन के एक सप्ताह बाद फिल्म से निकाल दिया गया था। फिल्म के निर्देशक संजय लीला भंसाली ने उदित नारायण को बताया कि फिल्म जरूरत से ज्यादा लंबी हो गई थी। इसलिए उन्हें ऐसा करना पड़ा। इस बात से गायक उदित नारायण दुखी हुए।

फिर ऐसा हुआ कि 8-10 दिनों बाद उदित नारायण और संजय लीला भंसाली का फिर से मिलना हुआ। तब उन्होंने बताया कि आपका गाना फिल्म में जोड़ दिया गया है। ऐसा करने के लिए फिल्म के दर्शकों ने बेइंतहा फरमाइश की और फिल्म के वितरक ने भारी दबाव बनाया। इसलिए उन्हें गाने को दोबारा फिल्म में जोड़ना पड़ा।

वैसे दोस्तों, फिल्मों से गीत अथवा दृश्य को हटाने की घटना कोई नई बात नहीं है। पर इस तरह फिल्म प्रदर्शन के सप्ताह भर बाद दोबारा गीत को जोड़े जाने की घटनाएं कम ही हैं। वरना कोई गाना या दृश्य एक बार फिल्म से हट गया, कट गया तो फिर दोबारा जोड़ा नहीं जाता। पर इस गीत के ऐसा हुआ कि इसे पहले हटाया गया और फिर जोड़ा भी गया।

इस गीत के लिए उदित नारायण को तीन-तीन पुरुस्कारों से सम्मानित किया गया। एक, फिल्म फेयर पुरस्कार सर्वश्रेष्ठ पुरुष पार्श्व गायक, 2000, दूसरा, आईआईएफए पुरस्कार, सर्वश्रेष्ठ पुरुष पार्श्व गायक, 2000, और तीसरा ज़ी सिने पुरस्कार, सर्वश्रेष्ठ पुरुष पार्श्व गायक से सम्मानित किया गया। हालांकि यह एक युगल गीत है जिसमें गायिका अलका याज्ञनिक ने उदित नारायण का साथ दिया है।

चलते-चलते यह भी बताता चलूं कि संजय लीला भंसाली अपने नाम के साथ जो लीला लगाते हैं ये उनकी मां का नाम है। अपनी फिल्म '1942 अ लव स्टोरी" के समय से अपनी मां को श्रद्धांजलि स्वरूप अपने नाम के साथ 'लीला' लिखना शुरू किया त से वे अपने नाम के साथ लीला जोड़ते आ रहे हैं। आज का किस्सा यही खत्म होता है। आप सब स्वस्थ रहें, व्यस्त रहें और मस्त रहें धन्यवाद।

श्याम कुमार राई
'सलुवावाला'

ठेला व रिक्शा चालको के बीच गमछा एवं पानी का वितरण

कोलफील्ड मिरर 30 अप्रैल (निरसा): सोमवार को तालडंगा हाउसिंग कॉलोनी निवासी भाजपा युवा नेता अभिमन्यु कुमार के द्वारा ठेला चालक, रिक्शा चालक के बीच गमछा एवं पानी का वितरण किया गया। इस नेक काम मे उनके साथ संतोष मिश्रा, शुभम अग्रवाल, चीनू घोष, सुनील पंडित, पंकज कुमार अन्य शामिल थे। युवा नेता अभिमन्यु कुमार से पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि जब तक गरीब एवं मजदूर व्यक्तियों के पास गर्मी से बचने के लिए अंग वस्त्र एवं पीने का पानी नहीं मिल जाता है तब तक यह कार्यक्रम इसी प्रकार से चलते रहेगा। जिसके लिए उन्हें जिस हद तक प्रयास करना पड़ेगा प्रयास करते रहेंगे। इस कार्य मे बुद्धिजीवी व्यक्तियों एवं समाजसेवियों का सहयोग उन्हें मिल रहा है।

मजदूर तो मजबूर होता है

मजदूर तो मजबूर होता है उसका तो
कोई दिवस भी नहीं होता है,
मजदूर दिवस पर भी उसे मजदूरी
करना पड़ता है।
सर्दी, गर्मी बरसात, ऋतु सब होते
उसके एक समान।
काम पर अगर न जाए तो उसके घर
न आते एक भी सामान।
मजदूर उसका ना कोई वक्त होता, ना
ही वह कभी सुस्त होता।
संघर्ष के बादल से निकल कर,
नित श्रम कर मिशाल बनाकर
देते हैं हमको भी संबल।
मुश्किल उनको लगती है जिंदगी फिर
भी मुस्कुराते हुए आगे बढ़ना है।
देकर यह सीख हमें प्रोत्साहित करते
बढ़ते जाना है बढ़ते जाना है।
समय इतना भी नहीं की कुछ खुशी
के पल अपने लिए जो जुटाऊं।
कुछ करने की चाह में, अच्छे से रहने
की आस में। अपने हर पल को मैं
लुटाऊं।
मैं लगा हुआ हूं, मैं जुटा हुआ हूं ।
हां। मैं मजदूर हूं, मेरी किस्मत में
आराम नहीं है, हां मैं मजबूर हूं।
हां। मैं मजदूर हूं।
हां मैं मजदूर हूं मेरी मजबूरी मेरी यही
है कहानी।

रिंकी कुमारी
पश्चिम बंगाल कोलकाता
कोलफील्ड मिरर

पेफी झारखंड की वार्षिक बैठक सम्पन्न

कोलफील्ड मिरर 30 अप्रैल (धनबाद): युवा मामले एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन संगठन-पेफी फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया के वार्षिक आम सभा की बैठक -जे के इंटरनेशनल स्कूल दिनांक 28 अप्रैल 2024 को सम्पन हुई., पेफ़ी की बैठक मनोज कुमार मिश्रा (निदेशक) की अध्यक्षता में आयोजित की गई। सभी कार्यक्रम की रूपरेखा आलोक चौधरी सचिव झारखंड, रेनू जी- अध्यक्ष झारखंड एवं रेजा इस्तियाक निदेशक झारखंड की देखरेख में किया गया। इस बैठक के दौरान हमारे मुख्य अतिथि श्जेशु प्रधान (सीईओजेके ग्रुप आफ कम्पनी) विशिष्ट अतिथि शिवेंद्र सिंह (रांची) थे। पेफी कार्यकारणी में लाल प्रेम प्रकाश नाथ शाहदेव (रांची) को संरक्षक एवं कार्यकारी अध्यक्ष लाल प्रमोद सिंह को मनोनित किया गया।

धर्म और धन

कोलफील्ड मिरर 30 अप्रैल 2024: ये बैंक बेलेंस, घर, जमीन-जायदाद, गहने धन तो है पर साथ ही साथ चिंता भी हैं और जहाँ चिंता है वहाँ कैसी प्रसन्नता? कैसा उल्लास? वहाँ सिर्फ़ और सिर्फ़ द्वंद, उपद्रव, अशांति, और सबसे ज्यादा अराजकता यह बाहरी से ज़्यादा व्यक्ति के भीतर है। माना कि मानव जीवन में धन आवश्यकता की पूर्ति के लिये आवश्यक है जो अन्त समय तक काम आ सकता है जबकि धर्म आत्मा की शुद्धि के लिये बहुत महत्वपूर्ण है। धर्म करके सिर्फ और सिर्फ मानव भव में ही मुक्ति हो सकती है। धन होना बुरा नहीं है लेकिन धन के प्रति आकर्षण आसक्ति गलत है। आर्थिक सम्पन्नता बढ़ जाने पर अधिकांश जनों के व्यवहार में आये हुए परिवर्तन की तरफ इंगित करते हुए गुरुदेव श्री महाप्रज्ञ जी ने लिखा बड़ो सादो है पण कने धन कोनी, धन कोनी जणाई सादो है, नहीं तो आज ताईं रेतो ही कोनी, सादगी कदेई टूट ज्याती। गणाधिपति श्री श्रावकों को दो फैक्ट्रियां लगाने के लिए फरमाते थे दिमाग में बर्फ की फैक्ट्री तथा जुबान पर चीणी की फैक्ट्री। धन-जन कंचन राज-सुख, सवहि सुलभकर जान। दुर्लभ है संसार मे, एक यथारथ (केवल ज्ञान) ज्ञान। इस दुनिया में धन-सुख-कंचन आदि से भी बढ़कर दुर्लभ कोई हैं तो वह ज्ञान है। ज्ञान का दीपक जब प्रज्वलित होता है तब भीतर और बाहर दोनों ही तरफ प्रकाश ही प्रकाश का प्रतीत होना प्रारंभ हो जाता है और बिना गुरु ज्ञान नही, ज्ञान बिना ध्यान नहीं। ज्ञान ही ध्यान है इस श्रेष्ठ धन का तप जो भी करता है वह ज्ञानामृत का घट भरता जाता है। कषायों का जंगल हैं, प्रपंच का दंगल हैं। ज्ञान प्रवर्धमान से चहुँ ओर मंगल ही मंगल होता है। इसलिये धर्म कभी नहीं कहता कि धनाढ्य मत बनो। धर्म यह अवश्य कहता है कि धन के प्रति आसक्त मत हो सदैव निर्लिप्त रहो। धन से सद्कर्म करो। धन का अहं कर पाप का घट मत भरो। धर्म कभी भी सांसारिक वैभव के खिलाफ नहीं है हाँ धर्म यह अवश्य कहता है कि जहाँ तक हो सके परिग्रह से बचो और अनासक्त रहो।

प्रदीप छाजेड़
बोरावड़

कुछ भी नहीं हमको फायदा, तुमको अगर हम पा भी ले

कुछ भी नहीं हमको फायदा, तुमको
अगर हम पा भी ले।
होगी हमारी ही बर्बादी, तुमको अगर
हम पा भी ले।
कुछ भी नहीं हमको फायदा-------।।

वैसे हमारी मोहब्बत, तुमसे से है एक
तरफा ही।
होंगे नहीं दिल से खुश तुम, तुमको
अगर हम पा भी ले।।
कुछ भी नहीं हमको फायदा-------।।

तोड़ना होगा हमको, अपने अजीजों
का दिल।
होंगे जहाँ हम बेकदर, तुमको अगर
हम पा भी ले।।
कुछ भी नहीं हमको फायदा-------।।

तेरा यार तो मेरा, करना चाहता है
खून।
कत्ल तेरे हाथों हम होंगे, तुमको अगर
हम पा भी ले।।
कुछ भी नहीं हमको फायदा-------।।

इसका सबूत क्या है, कि दामन तेरा
पवित्र है।
शौक तेरे तो जुदा होंगे, तुमको अगर
हम पा भी ले।।
कुछ भी नहीं हमको फायदा-------।।

सिर्फ इश्क ही नहीं है, जिंदगी की
जरूरत।
मंजिल मेरी नहीं मिलेगी, तुमको अगर
हम पा भी ले।।
कुछ भी नहीं हमको फायदा-------।।

गुरुदीन वर्मा उर्फ़ जी.आज़ाद
बारां (राजस्थान)
कोलफील्ड मिरर

तालाब स्थानीय अर्थव्यवस्था के मूल आधार भी होते हैं

कोलफील्ड मिरर 30 अप्रैल 2024: भू जल के स्तर में सुधार करते तालाब सम्बन्धी लेख पढ़ा। बात अच्छी लगी नए-पुराने, सभी तालाब लबालब होंगे तो जमीन को पर्याप्त नमी के कारण सिंचाई-जल कम लगेगा, साथ ही खेती के लिए अनिवार्य प्राकृतिक लवण भी मिलते रहेंगे। तालाब केवल लोगो की प्यास ही नही बुझाते, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था का मूल आधार भी होते है। मछली, कमलगट्टा, सिंघाड़ा, कुम्हार के लिए चिकनी मिट्टी आदि के स्तोत्र होते का साथ ही कुओं का जलस्तर भी बनाए रखने में सहायक सिद्ध होते है। तालाबों को सहेजने हेतु सरकारी विभागों को बेहतर तरीके से उनकी देखभाल के लिए सुव्यवस्थित तरीके से मरम्मत पर ध्यान देना होगा। ताकि अतिवृष्टि में भी तालाब सुरक्षित बने रह सकें। बड़े जल स्त्रोतों के निर्माण से ही जल को बचाया जाकर, भूमिगत वाटर टेबल को बढ़ाया जाकर जल का उपयोग बेहतर तरीके से सिंचाई, पेयजल, निस्तार, औद्योगिक क्षेत्र में उपयोग किया जा सकता है। ठीक उसी प्रकार जल की शुद्धता के लिए चिंतन बेहद आवश्यक है। जल को स्वच्छ रखने में हमारी भूमिका क्या होनी चाहिए। नदियो व अन्य जल संरचनाओ यथा तालाब, झील, कुए, बावडी आदि हमारी संस्कृति व परम्परा मे पूजा के स्थल रहे है, इनकी अनुपलब्धता या दूषित होने पर हेंड पम्प व नलकूप की पूजा करके भी परम्पराओ का निर्वाह किया जाता रहा है। अक्सर प्राकृतिक जल संसाधनो के रख-रखाव के प्रति समुचित जिम्मेदारी का अभाव सा ही रहा है।तालाबो को सहेजने व जल संरक्षण के जरिये हम पूरी तरह स्थानीय स्तर पर आत्मनिर्भर बन सकते है।

संजय वर्मा "दृष्टि"

वोटिंग मतदाता पर्ची पर पार्टी एवं उम्मीदवार का प्रचार प्रसार क्यों

कोलफील्ड मिरर 30 अप्रैल 2024: उत्तराखंड सहित आज देश भर में भी लोकसभा चुनाव का दौर चल रहा है एवं हर पार्टी अपनी ओर से अपने प्रत्याशी का प्रचार प्रसार कर रही है, सही भी है यह हर पार्टी का अधिकार भी है फिर स्वयं चुनाव आयोग इसकी अनुमति भी देता है अतः यही कारण है कि इस तरह से मुख्य बड़ी पार्टियां अपनी ओर से भी घर-घर मतदाता पर्चियां बटवाने का कार्य करती है जिसमें वह अपनी पार्टी के प्रचार प्रसार के साथ-साथ उम्मीदवार के चित्र सहित प्रचार करती है। अतः देखा जाए तो एक तरह से यह ठीक है परंतु दूसरी तरफ से इसे गलत भी कहा जा सकता है कारण चुनाव में खड़े हर प्रत्याशी तो इस तरह से अपना एवं अपनी पार्टी का प्रचार प्रसार अपने चित्र सहित मतदाता पर्ची नहीं छपा सकते हैं तब फिर वह अपने प्रचार प्रसार में एक तरह से फिर पिछड भी जाते हैं। कारण राष्ट्रीय लेवल की पार्टी तो इस तरह के प्रचार प्रसार को हाथों हाथ लेती है परंतु छोटी पार्टियां एवं निर्दलीय प्रत्याशी के लिए यह सब करना कभी-कभी महंगा सौदा रहता है अतः फिर उन्हें इसी कारण नुकसान भी उठाना पड़ता है कारण घर-घर प्रचार वाले माध्यम में वे फिर पिछड भी जाते हैं। हमारे देश में कांग्रेस एवं भाजपा दो बड़ी राष्ट्रीय पार्टियां है जो अक्सर ही इन मतदाता पर्चियां को छपवा कर अपना एवं अपने प्रत्याशी का प्रचार प्रसार करती रही है एवं फिर वे क्षेत्रीय दल भी जिनकी राज्यों में सरकारें रहती है वह भी इसका लाभ ले ही लेते हैं मगर फिर बात वही कि छोटी पार्टीयां एवं निर्दलीयो का इस कारण हमेशा ही नुकसान रहता है। अतः आज हमारा तो मुख्य निर्वाचन अधिकारी से यही कहना है कि वह जब स्वयं ही अपनी ओर से देश भर में चुनाव के समय मतदाता पर्चियां का प्रकाशन कराते हैं तो उन्हें पार्टियों द्वारा छपाई जाने वाली मतदाता पर्ची के छपने पर आवश्यक रूप से रोक लगा देना चाहिए कारण ऐसा करने से फिर न केवल चुनाव आयोग बल्कि हर पार्टी के लिए यह बेहतर होगा। इसके अलावा देश का मतदाता भी फिर अपने हिसाब से, अपनी चॉइस से अधिकार पूर्वक अपना वोट उसे किसे देना है यह विचार कर सकेगा। कारण मतदाता पर्ची के द्वारा होने वाले प्रचार प्रसार का लाभ अक्सर हि छापने वाली पार्टी को लाभ मिल जाता है क्योंकि चुनाव के दिन वोट डालने जाते समय अक्सर मतदाता के जेब में मतदाता पर्ची भी मतदान केंद्र तक अवश्य जाती है विशेष करके अनपढ़ मतदाता तोअपनी मतदाता पर्ची अवश्य ही ले जाते हैं तब ऐसे में उसके दिमाग में पर्ची पर अंकित चुनाव चिन्ह और मतदाता का चित्र अंकित हो जाता है अतः तब हमारा यहां यहीं कहना है कि यह पार्टियों द्वारा प्रकाशित होने वाली पर्चियां पर चुनाव आयोग को आवश्यक रूप से आगे से बैन लगा देना चाहिए और केवल चुनाव आयोग के द्वारा छपी हुई पर्चियां को ही मान्यता देना चाहिए। इससे उसका निष्पक्ष मतदान कराने का उद्देश्य भी अवश्य पूरा हो सकेगा।

एमएम राजावत राज

मेदिनीपुर: किशोर जीवन की समस्याओं पर आदिवासी किशोरी ने लिखी पुस्तक

कोलफील्ड मिरर 30 अप्रैल (खड़गपुर): आज के समाज में जब एक किशोर का जीवन मोबाइल उपकरणों से घिरा हुआ है, वहीँ मेदिनीपुर शहर में जैक्स पॉल रेजीडेंसी के सम्मेलन हॉल में आदिवासी किशोरी तोरसा मुर्मू द्वारा लिखित पुस्तक "इकोज़ ऑफ इनोसेंस" का विमोचन किया गया। मेदिनीपुर शहर के डॉक्टर सुबल कुमार मुर्मू की 13 वर्षीय बेटी तोरसा ने कोविड काल में लिखना शुरू किया। तोरसा का कहना है कि लेखन के लिए उनकी पहली प्रेरणा उनकी माँ थीं। और यह रचना 'इकोज़ ऑफ़ इनोसेंस' उनकी किशोर जीवन यात्रा और चरम अनुभव की अभिव्यक्ति है।

यह पूछे जाने पर कि किताब का विषय और तोरसा का जीवन कहाँ समान है, तोरसा कहती हैं, "मैं एक किशोरी हूं इसलिए मैं किसी भी किशोर को बहुत कुछ समझती हूं। किशोर जीवन इतना आसान नहीं है। ऐसा लगता है कि कोई भी हमें समझने की कोशिश नहीं करता है..."। "इकोज़ ऑफ इनोसेंस" अवंतिका सेन के जीवन को दर्शाता है, जहां एक किशोरी किशोरावस्था में प्रवेश करती है। चुनौतियाँ, गुस्सा और समझने और ध्यान केंद्रित करने की चाहत अक्सर जीवन के इस परिवर्तनकारी चरण को परिभाषित करती है। जिंदगी की राह सिर्फ गुलाबों से ही नहीं, कांटों से भी बनी है। यह एक ऐसी किताब है जो हमें कठिनाइयों से आगे बढ़ने के लिए कहती है। अगर कोई इसे पढ़ने के बाद इससे कुछ सीखता है तो मैं इसकी बहुत सराहना करूंगी। वर्तमान पीढ़ी को केवल मोबाइल फोन में व्यस्त नहीं रहना चाहिए बल्कि अपने विभिन्न शौक, चाहे वह नृत्य, गायन, कविता पढ़ना, पेंटिंग, लेखन हो, के साथ भी आगे आना चाहिए।

पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में मेदिनीपुर समेत पश्चिम बंगाल के विभिन्न हिस्सों से आये जाने-माने डॉक्टरों के अलावा आईआईटी खड़गपुर के मैटेरियल साइंस के प्रोफेसर भानु भूषण खाटुआ, कोलकाता के आईबीटीएम के निदेशक स्वपन सोरेन, विद्यासागर शिशु निकेतन की प्रधान शिक्षिका शबनम दत्ता, मेदिनीपुर कॉलेज के प्रोफेसर सुजीत डे, शिक्षक सौविक बांकुड़ा, झाड़ग्राम मेडिकल कॉलेज के दुर्लभ चंद्र मांडी, अनिल कुमार मुर्मू और प्रतिष्ठित शिक्षक और विद्वान उपस्थित रहे।

विरासत टैक्स-जिंदगी भर टैक्स तले दबे हैं साहब, मौत के बाद तो छोड़ दो सरकार!

विरासत टैक्स के विचार के खिलाफ़ गरीब से अमीर तक के आक्रोश का तूफान उठने की संभावना को रेखांकित करना होगा

भारत का हर जागरुक नागरिक अपने बाप दादाओ से विरासत में मिली संपत्ति पर विरासत टैक्स देना बरदाशत नहीं करने की संभावना-वोट देकर जवाब देने की तैयारी
एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया

कोलफील्ड मिरर 30 अप्रैल (गोंदिया): वैश्विक स्तरपर सर्वविदित है के दुनियां की कोई भी सरकार शासन प्रशासन आर्थिक स्तंभ के बिना खड़ी नहीं हो सकती सबसे बड़ी प्राथमिकता वित्तीय उपलब्धता करना है, जिसका एक ही मार्ग है टैक्स! टैक्स! टैक्स! पूरी दुनियां में शायद ही कोई ऐसा देश होगा जो प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से टैक्स न लगता हो। यानें अपने नागरिकों प्रवासियों अप्रवासियों पर बिना टैक्स लगाए कोई भी सरकार शासन प्रशासन नहीं चला सकती है। हर देश अपने नागरिकों पर अपनी परिस्थितियों स्थितियों के अनुसार टैक्स का प्रावधान करता है, जो अपने प्रतिवर्ष पेश होने वाले बजटमें कर दिया जाता है। यह चर्चा आज हम इसलिए कर रहे हैं क्योंकि व्यक्ति फर्म कंपनियां या फिरएचयूएफ जब तक जीवित हैं तब तक टैक्स भरेंगे जो लाजमी भी है, परंतु यदि व्यक्ति की मृत्यु पर उसके द्वारा पूर्ण टैक्स भरी हुई संपत्ति को उसके बेटों बेटियों या वंशजों को अगर वह संपत्ति हस्तांतरित की जाए तो उसपर भी भारी भरकम टैक्स लगाए जाने की बात अगर की जाए तो मेरा मानना है कि यह कुछ हद तक नाइंसाफी जरूर होगी। पिछले दो दिनों से विरासत टैक्स की चर्चा तब शुरू हुई जब पूर्व बड़े अधिकारी और बड़ी राजनीतिक पार्टी से जुड़े एक शख्सियत ने अमेरिका की तर्ज पर भारत में भी विरासत टैक्स शुरू करने के अपने विचार साझा किया तो, बात दूर तरह तलक चली गई। सत्ताधारी पार्टी ने मुद्दे को लपक लिया क्योंकि वैसे भी इलेक्शन महापर्व शुरू है,इसलिए माननीय पीएम महोदय ने भी इस मुद्दे पर अपने विचार साझा कर विरासत टैक्स पर असहमति जता दी जबकि विरासत टैक्स भारत में पहले वसूला जाता था, जो 1985 में तत्कालीन पीएम ने समाप्त कर दिया था। जबकि कुछ समय पूर्व ही सत्ताधारी पार्टी के दो पूर्व वित्त मंत्री विरासत टैक्स की वकालत करते रहे हैं परंतु मेरा निजी मत है कि विरासत, टैक्स जिंदगी भर टैक्स तले दबे हैं, अब मौत के बाद तो छोड़ दो सरकार,क्योंकि विरासत टैक्स के विचार के खिलाफ गरीब से अमीर तक के आक्रोश का तूफान उठने की संभावना को रेखांकित करना होगा। इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे भारत का हरजागरूक नागरिक अपने बाप दादाओ से विरासत में मिली संपत्ति पर विरासत टैक्स देना बर्दाश्त नहीं करने की संभावना है,जो वोट देकरउ सका जवाब देगा। साथियों बात अगर हम विरासत टैक्स पर मचे घमासान की करें तो एक विपक्षीपार्टी से जुड़े बहुत पुराने नेताकेअमेरिका जैसा विरासत कर वाले बयान पर सियासी घमासान मच गया है।हालांकि विरासत कर की अवधारणा भारत के लिए नई नहीं है। भाजपा और कांग्रेस दोनों ने अतीत में इस विचार पर विचार किया है और दोनों दलों के नेता इसके पक्षधर रहे हैं। विपक्षी पार्टी के नेता द्वारा अमेरिका जैसा विरासत कर की वकालत करने के बाद भारत में चुनावी माहौल गर्म हो गया है। पार्टी नेता ने बयान पर चर्चा की।इन दिनों सियासी पारा पूरी तरह से गर्म है। भाजपा और कांग्रेस में आरोप प्रत्यारोप का दौर भी जारी है। बीते कुछ दिनों से कांग्रेस के घोषणा पत्र को लेकर भाजपा हमलावर है। पीएम अपनी रैलियों में आरोप लगा रहे हैं कि कांग्रेस लोगों की संपत्ति इकट्ठा कर बंदरबांट करेगी। यह विवाद थमा नहीं था कि कांग्रेस नेत ने अमेरिका के विरासत कर की वकालत करके एक नई बहस छेड़ दी है। बयान के बाद भाजपा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस की नीतियां देश को बर्बाद करने वाली हैं। भाजपा आईटी सेल के प्रमुख ने बुधवार को कांग्रेस पर पलटवार करते हुए कहा कि हमारी मेहनत से बनाई संपत्ति का आधा हिस्सा छीन लिया जाएगा।इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष ने कहा था, अमेरिका में विरासत कर (टैक्स) लगता है। अगर किसी के पास 100 मिलियन डॉलर की संपत्ति है,और जब वह मर जाता है तो वह केवल 45 फीसदी अपने बच्चों को दे सकता है। 55 फीसदी सरकार द्वारा हड़प लिया जाता है। यह एक दिलचस्प नियम है। यह कहता है कि आपने अपनी पीढ़ी में संपत्ति बनाई और अब आप जा रहे हैं, आपको अपनी संपत्ति जनता के लिए छोड़नी चाहिए। हालांकि पूरी नहीं, आधी ही। ये जो निष्पक्ष कानून है मुझे अच्छा लगता है।आगे कहा, भारत में आपके पास ऐसा नियम नहीं है। अगर किसी की संपत्ति 10 अरब है और वह मर जाता है, तो उसके बच्चों को 10 अरब मिलते हैं और जनता को कुछ नहीं मिलता। इसलिए लोगों को इस तरह के मुद्दों पर बहस और चर्चा करनी होगी।आगे कहा, यह एक नीतिगत मुद्दा है। कांग्रेस पार्टी एक ऐसी नीति बनाएगी, जिसके माध्यम से धन का बांटना बेहतर होगा।

साथियों बात अगर हम दिनांक 25 अप्रैल 2024 को विरासत टैक्स पर विपक्षी पार्टी के बड़े लीडर के बयान की करें तो, विरासत टैक्स को लेकर पीएम के बयान पर स्पष्टीकरण दिया। प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस मेनिफेस्टो की बुकलेट लेकर पहुंचे। उन्होंने कहा कि हमारे घोषणा पत्र में कहीं भी विरासत टैक्स का जिक्र नहीं है। आगे कहा, सच यह है कि 1985 मेंतत्कालीन पीए ने इस विरासत टैक्स को खत्म कर दिया था। हमने कभी भी विरासत टैक्स का जिक्र नहीं किया। अरुण जेटली और जयंत सिन्हा जैसे भाजपा नेताओं ने विरासत टैक्स के पक्ष में वकालत की है। वास्तव में यह हमारा नहीं, भाजपा का एजेंडा है। आगे कहा, पीएम असत्यमेव जयते का प्रतीक हैं। उनका प्रचार झूठ पर आधारित है। वे बोल रहे हैं कि हमारे मेनिफेस्टो में प्रॉपर्टी बांटने का जिक्र है। मैं उन्हें चैलेंज करता हूं कि हमारे 50 पेज के मेनिफेस्टो में एक शब्द भी ऐसा नहीं है जो प्रॉपर्टी बांटने का जिक्र करता हो। पीएम ने हाल ही में अपने कई चुनावी भाषणों में कहा है कि कांग्रेस चुनाव जीतने के बाद माता-पिता से मिलने वाली विरासत पर टैक्स लगाएगी।

साथियों बात अगर हम विरासतकर को जाननेऔर संविधान के अनुच्छेद 39(बी) की व्याख्या की करें तोविरासत कर एक व्यक्ति द्वारा विरासत के हिस्से के रूप में मिली संपत्ति पर लगाया जाने वाला कर है। यह राज्य द्वारा लगाई जाने वाली कर व्यवस्था है। अमेरिका की विरासत कर या इनहेरिटेंस टैक्स व्यवस्था उस धन, संपत्ति पर लगती है जिसे कोई व्यक्ति मरने के बाद दूसरों के लिए छोड़ देता है। जिसे संपत्ति मिलती है उसे ही विरासत कर का भुगतान करना होता है। हालांकि, इस कर को लागू करने में कई कारकों की भूमिका होती है। ये कारक यह निर्धारित करते हैं कि कितना कर भुगतान किया जाना चाहिए और मृतक कहां रहता था, संपत्ति पाने वाले के साथ उनके रिश्ते कैसे थे।सुप्रीम कोर्ट की नौ-न्यायाधीशों की पीठ ने संविधान के अनुच्छेद 39 (बी) की व्याख्या के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी है। पीठ यह निर्धारित करेगी कि डीपीएसपी सरकार को निजी संपत्तियों के पुनर्वितरण की अनुमति देता है या नहीं। यह मुद्दा 1977 के रंगनाथ रेड्डी मामले के चलते उपजा है, जिस पर जस्टिस वीआर कृष्णा अय्यर ने असहमतिपूर्ण दृष्टिकोण रखा है।इस मामले को फरवरी 2002 को नौ-न्यायाधीशों की पीठ द्वारा व्याख्या के लिए भेजा गया था। अनुच्छेद 39 (बी) में प्रावधान है कि राज्य अपनी नीति को यह सुनिश्चित करने की दिशा में निर्देशित करेगा कि 'समुदाय के भौतिक संसाधनों का स्वामित्व और नियंत्रण इस प्रकार वितरित किया जाए कि आम हित के लिए सर्वोत्तम हो। कई वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने तर्क दिया कि सामुदायिक संसाधनों में कभी भी निजी स्वामित्व वाली संपत्तियां शामिल नहीं हो सकतीं। अधिवक्ताओं के अनुसार, संविधान से चलने वाले लोकतांत्रिक देश में इस विचार की कोई जगह नहीं है जो नागरिकों के मौलिक अधिकारों को प्रधानता देता है।

साथियों बात अगर हम अमेरिका में विरासत टैक्स की करें तो, अमेरिका में विरासत कर की व्यवस्था केंद्र स्तर पर नहीं लागू नहीं है। संयुक्त राज्य अमेरिका में 50 राज्य और कोलंबिया जिला शामिल हैं लेकिन विरासत कर वाली व्यवस्था महज छह राज्यों में ही लागू है। विरासत कर लगाने वालों अमेरिकी राज्यों में आयोवा, केंटकी, मैरीलैंड, नेब्रास्का, न्यू जर्सी और पेंसिल्वेनिया शामिल हैं। हालांकि, आयोवा राज्य ने घोषणा की है कि वह 2025 में अपने विरासत कर को समाप्त कर देगा।विरासत कर कितना है और इसे किसे भुगतान करना है, इसके बारे में हरेक राज्य के अपने-अपने नियम हैं। आयोवा राज्य में विरासत कर 1प्रतिशत से 4प्रतिशत तक होता है। नियम के अनुसार, पति-पत्नी, बच्चे, सौतेले बच्चे, माता-पिता, दादा-दादी और परदादा, पोते-पोतियां और पर-पोते-पोते को छूट है। इसके अलावा, 500 अमेरिकी डॉलर तक की चैरिटी की छूट भी मिलती है। केंटकी में मृतक से रिश्ते के आधार पर डॉलर 500 या डॉलर 1, हज़ार से अधिक की संपत्ति पर टैक्स लागू होता है। यह कर 4प्रतिशत से 16प्रतिशत तक होता है। नियम के अनुसार, पति-पत्नी, माता-पिता, बच्चे, सौतेले बच्चे और पोते-पोतियां और भाई-बहनों को रियायत हैमैरीलैंड में डॉलर 1हज़ार से अधिक की संपत्ति पर कर की दर 10प्रतिशत है। पति-पत्नी, बच्चे, माता-पिता, दादा दादी,पोते पोतियां भाई-बहन और दानदाताओं को कर से छूट मिलती है। जानकारी के अनुसार, मैरीलैंड वह राज्य है जो विरासत कर और संपत्ति कर दोनों लगाता है।नेब्रास्का राज्य में माता-पिता, बच्चे, भाई-बहन और दादा-दादी डॉलर 1लाख़ से अधिक की संपत्ति पर 1 प्रतिशत का भुगतान करते हैं। चाची, चाचा, भतीजी और भतीजे डॉलर 40हज़ार से अधिक की संपत्ति पर 11प्रतिशत का भुगतान करते हैं। अन्य सभी उत्तराधिकारी डॉलर 25 हज़ार से अधिक की संपत्ति पर 15प्रतिशत का भुगतान करते हैं। हालांकि, 22 वर्ष से कम आयु के पति पत्नी और उत्तराधिकारियों को छूट मिलती है।न्यू जर्सी में संपत्ति की कीमत और मृतक के साथ रिश्ते के आधार पर 11 प्रतिशत से 16 प्रतिशत तक कर लागू होता है। पति/पत्नी, बच्चों, माता-पिता, दादा-दादी, पोते-पोतियों और धर्मार्थ संगठनों को इससे रियायत है। वहीं भाई-बहनों और बेटों/बहुओं को डॉलर 25हज़ार तक की छूट है।पेंसिल्वेनिया में डॉलर 3,5 सव से अधिक की संपत्ति पर बच्चों, माता-पिता और दादा-दादी के लिए कर 4.5 प्रतिशत कर की व्यवस्था है। भाई-बहनों को 12 प्रतिशतऔर अन्यउत्तराधिकारियों को 15 प्रतिशत टैक्स देना होता है। हालांकि, जीवनसाथी, 21 वर्ष से कम उम्र के बच्चों और दान संस्थाओं को छूट है।

अतः अगर हम अपरूप पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि विरासत टैक्स जिंदगी भर टैक्स तले दबे हैं साहब, मौत के बाद तो छोड़ दो सरकार!विरासत टैक्स के विचार के खिलाफ़ गरीब से अमीर तक के आक्रोश का तूफान उठने की संभावना को रेखांकित करना होगा।भारत का हर जागरुक नागरिक अपने बाप दादाओ से विरासत में मिली संपत्ति पर विरासत टैक्स देना बरदाशत नहीं करने की संभावना-वोट देकर जवाब देने की तैयारी।

संकलनकर्ता लेखक-
कर विशेषज्ञ स्तंभकार एडवोकेट
किशन सनमुखदास भावनानी
गोंदिया महाराष्ट्र

कांग्रेस को एक और झटका, दिल्ली कांग्रेस हुई दो फाड़

कोलफील्ड मिरर 30 अप्रैल 2024: लोकसभा चुनाव से ठीक पहले दिल्ली कांग्रेस दो फाड़ हो गई है। रविवार को पार्टी को एक और बड़ा झटका लगा है। राजकुमार चौहान के बाद अब अरविंदर सिंह लवली ने कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। इस्तीफे के कारणों में आम आदमी पार्टी से गठबंधन और दिल्ली प्रभारी दीपक बाबरिया की उम्मीदवारों के चयन में दखलंदाजी को इंगित किया है। इसके ठीक कुछ देर बाद उत्तर पूर्वी दिल्ली से उम्मीदवार कन्हैया कुमार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हुआ। कांग्रेस के ही अंदर उन्हें इस सीट से उम्मीदवार बनाए जाने को लेकर नाराजगी है। पार्टी के अंदर ही इसे लेकर दो फाड़ है। ऐसे में गठबंधन की साथी आम आदमी पार्टी भी कुछ भी बोलने से बच रही है। उसका कहना है कि ये पार्टी का अंदरूनी मामला है, इसलिए हमें कांग्रेस के अगले कदम का इंतजाक करना चाहिए।

दिल्ली में आप के साथ गठबंधन और टिकट बंटवारे का कलह फिलहाल थमता नहीं दिख रहा है। लवली ने आप के साथ कांग्रेस के गठबंधन और पार्टी उम्मीदवारों कन्हैया कुमार और उदित राज के बयानों की भी आलोचना की है। AICC दिल्ली प्रभारी दीपक बाबरिया पर कई गंभीर आरोप भी लगाए हैं। इधर, उदित राज और दीपक बाबरिया के बयान भी आ गए हैं। उन्होंने खुलकर लवली को टारगेट पर लिया है। अरविंदर सिंह लवली ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को भेजे गए अपने पत्र में यह भी कहा, वो खुद को अपाहिज महसूस कर रहे थे क्योंकि दिल्ली के वरिष्ठ नेताओं द्वारा लिए गए सभी सर्वसम्मत निर्णयों को दीपक बाबरिया द्वारा 'एकतरफा वीटो' कर दिया गया था। लवली ने कहा, दिल्ली कांग्रेस यूनिट आप के साथ गठबंधन के खिलाफ थी, लेकिन पार्टी आलाकमान इसके साथ आगे बढ़ गया। फिलहाल, लवली के इस्तीफे से पार्टी का गुटीय झगड़ा सामने आ गया है।

रविवार को लवली ने उन तमाम दावों को भी खारिज किया है, जिसमें कहा जा रहा था कि टिकट नहीं मिलने के कारण पद छोड़ दिया। लवली ने साफ किया कि वो किसी अन्य राजनीतिक दल में शामिल नहीं हो रहे हैं। लवली ने कहा, कुछ लोग गलत सूचना फैला रहे हैं कि मैं टिकट (वितरण) से नाराज हूं। ऐसा नहीं है। आप सभी जानते हैं कि मैंने तीन दिन पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस करके उम्मीदवारों का परिचय दिया था। उन्होंने कहा, मैंने केवल दिल्ली कांग्रेस प्रमुख के पद से इस्तीफा दिया है और मैं किसी भी राजनीतिक दल में शामिल नहीं हो रहा हूं।

दिल्ली में नेताओं के एक वर्ग द्वारा दीपक बाबरिया को हटाने की मांग उठाई जा रही थी। इस बीच, उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि लवली का इस्तीफा ऐसे समय आया जब देश में आम चुनाव चल रहे हैं। हालांकि इसका कांग्रेस पर कोई असर नहीं पड़ेगा। बाबरिया ने कहा, वो (लवली) सभी कमेटियों और पैनलों का हिस्सा थे। उन्हें उसी समय अपनी आपत्तियां उठानी चाहिए थी। जो कोई भी किसी पार्टी या पद से खुद को दूर करता है, वो इसके कारण ढूंढता है। पार्टी ने उन पर विश्वास दिखाया और उन्हें इतना बड़ा पद दिया, लेकिन उन्होंने जो किया वो दुखद है। उनके इस्तीफे से पार्टी पर कोई असर नहीं पड़ेगा। मुझे विश्वास है कि हम चुनाव में दिल्ली की तीनों लोकसभा सीटें जीतेंगे। बाबरिया का कहना था कि पार्टी में गैर योग्य लोगों का प्रमोट किया जा रहा था, जिससे आम कार्यकर्ताओं का मनोबल गिर रहा था। इसके लिए लवली को रोका गया था। जल्द नया अध्यक्ष खोज लिया जाएगा।

बाबरिया का कहना था कि उनका इस्तीफा कांग्रेस हाईकमान ने तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया है। हालांकि, हमें कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हमारा कोई काम रुक जाएगा या हमारे उम्मीदवार हार जाएंगे। मैंने उन्हें कई मसलों पर रोका। जिन लोगों को प्रमोशन नहीं किया जाना चाहिए था, उन्हें प्रमोट किया जा रहा था और इससे अन्य कार्यकर्ता हतोत्साहित हो रहे थे।

कांग्रेस नेता उदित राज ने कहा, याद रखना मेरी बात- अब पार्टी खड़ी होगी। मई 2020 में विधानसभा चुनाव के नतीजे आए तो पार्टी का 4।25 प्रतिशत वोट शेयर था। जो 15-20 साल तक एमएलए और मंत्री रहे। अगर मान लो पार्टी एक बार गिर गई तो उठाने का क्या काम किया गया? सिर्फ गुटबाजी और फ्रेंचाइजी सिस्टम बना दिया। मेरा काउंसलर हो, मेरा ब्लॉक अध्यक्ष हो। उससे क्या होता है कि आम कार्यकर्ता त्रस्त हो गया। बिचौलिए थे, वे काम नहीं करते हैं, बल्कि चेले पालते हैं। उस चेले सिस्टम की वजह से पार्टी के साथ कोई नए लोग नहीं जुड़ रहे हैं। उदित राज ने आगे कहा, मेरे जाने से या किसी के जाने-आने से पार्टी को कोई नुकसान नहीं होता है। बड़ी पार्टी होती है, व्यक्ति बड़ा नहीं होता है।

खड़गे को लिखे पत्र में लवली ने कहा, मुझे पद पर बने रहने का कोई कारण नहीं दिखता है। क्योंकि अब वो पार्टी कार्यकर्ताओं के हितों की रक्षा नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि पार्टी आलाकमान द्वारा आधिकारिक घोषणा से पहले स्थानीय नेतृत्व को उत्तर पूर्वी दिल्ली सीट से कन्हैया कुमार और उत्तर पश्चिम दिल्ली सीट से उदित राज को मैदान में उतारने के फैसले के बारे में कोई सूचना नहीं दी गई। उन्होंने कन्हैया कुमार और उदित राज को दिल्ली कांग्रेस के लिए पूरी तरह से अजनबी भी बताया। लवली ने कहा कि भले ही दिल्ली कांग्रेस यूनिट आप पार्टी के साथ गठबंधन के खिलाफ थी, लेकिन उन्होंने सार्वजनिक रूप से इसका समर्थन किया और संभावित उम्मीदवार के रूप में अपना नाम भी वापस लिया।

लवली का कहना है कि दिल्ली कांग्रेस उस पार्टी के साथ गठबंधन के खिलाफ थी जो कांग्रेस पार्टी के खिलाफ झूठे, मनगढ़ंत और दुर्भावनापूर्ण भ्रष्टाचार के आरोप लगाने के एकमात्र आधार पर खड़ी हुई थी। आप पार्टी के आधे कैबिनेट मंत्री भ्रष्टाचार के आरोपों में वर्तमान में जेल में बंद हैं।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जमकर तारीफ करने पर लवली ने कन्हैया कुमार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, उत्तर पूर्वी दिल्ली के उम्मीदवार भी पार्टी लाइन और स्थानीय पार्टी कार्यकर्ताओं की भावनाओं के विपरीत दिल्ली के सीएम की झूठी प्रशंसा करते हुए मीडिया बाइट्स दे रहे हैं। उन्होंने कहा, इस तरह के गलत विचार और तथ्यात्मक रूप से गलत बयान दिल्ली कांग्रेस के लिए अच्छे नहीं हैं। लवली ने कहा, ऐसा प्रतीत होता है कि उत्तर पूर्वी दिल्ली के उम्मीदवार इस तथ्य से अनभिज्ञ हैं कि आप के शासन में दिल्ली में स्कूलों, अस्पतालों और सार्वजनिक बुनियादी ढांचे की स्थिति दिवंगत शीला दीक्षितजी के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार में किए गए विकास कार्यों की तुलना में गंभीर रूप से खराब हो गई है।

लवली ने उदित राज पर प्रेस में पार्टी विरोधी बयान देने और पार्टी कार्यकर्ताओं का अपमान करने का आरोप लगा रहे है। उन्होंने दावा किया कि उदित राज ने उन्हें कई पत्र लिखे थे, जिसमें उनसे विभिन्न पीढ़ीगत स्थानीय नेताओं को सस्पेंड करने के लिए कहा था। इधर, रविवार को कुछ पार्टी कार्यकर्ता लवली के आवास के बाहर एकत्र हुए और बाबरिया के खिलाफ नारे लगाए।

इस बीच कांग्रेस के पूर्व विधायक आसिफ मोहम्मद खान ने दावा किया था कि भाजपा हर्ष मल्होत्रा की जगह पूर्वी दिल्ली सीट से लवली को मैदान में उतारेगी। आप नेता सौरभ भारद्वाज ने भी भाजपा का उम्मीदवार बदलने की अटकलों को हवा दी थी। अटकलों का बाज़ार गर्म होने का कारण यह भी है कि इसके पहले भी लवली ने 2015 में भी दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। वे 2017 में भाजपा में शामिल हो गए थे, लेकिन करीब 10 महीने बाद वो वापस कांग्रेस में लौट आए थे।

पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत शीला दीक्षित के बेटे और कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने कहा, उन्हें (लवली को) दुख है। एक कांग्रेस कार्यकर्ता और दिल्ली कांग्रेस के प्रमुख के रूप में एक व्यक्तिगत दर्द है। मुझे लगता है कि इस पर ध्यान देने की जरूरत है। कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने कहा, इससे चुनाव पर कोई असर नहीं पड़ेगा। किसी व्यक्ति के फैसले से पार्टी की छवि और लोगों के साथ उसका जुड़ाव प्रभावित नहीं होता। मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं है कि उन्होंने ऐसा क्यों किया है। पूर्व कांग्रेस विधायक आसिफ मोहम्मद ने कहा, पार्टी में मतभेद हो सकते हैं। अगर लवली निराश थे, इस्तीफा देना चाहते थे तो उन्हें चुपचाप मल्लिकार्जुन खड़गे को अपना इस्तीफा देना चाहिए था।

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली के इस्तीफ के बाद दिल्ली में इंडिया गठबंधन के भविष्य को लेकर कई तरह की अटकलें लगनी शुरू हो गई हैं। हालांकि, आम आदमी पार्टी के नेताओं को उम्मीद है कि इससे गठबंधन पर कोई खास असर नहीं पड़ेगा, क्योंकि साथ लड़ने का फैसला दोनों पार्टियों के राष्ट्रीय स्तर के शीर्ष नेतृत्व ने लिया था। हालांकि, चुनाव प्रचार पर इसका कितना असर पड़ेगा और वोटर इससे कितने प्रभावित या हतोत्साहित होंगे, इस बारे में कुछ भी कहना अभी जल्दबाजी होगी। यही वजह है कि आम आदमी पार्टी के नेता भी अभी इस मुद्दे पर ज्यादा कुछ बोलने से बच रहे हैं। इसे कांग्रेस का आंतरिक मामला बताते हुए वेट एंड वॉच मोड में चले गए हैं।

दिल्ली भाजपा प्रमुख वीरेंद्र सचदेवा ने कहा, लवली ने अपनी अंतरात्मा की आवाज पर कदम उठाया है और कांग्रेस के भीतर विस्फोट उसी समय शुरू हो गया था, जब पार्टी ने अपने लोकसभा उम्मीदवारों की घोषणा की थी। उन्होंने कहा, हम पहले दिन से कह रहे थे कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस का गठबंधन दो दलों का गठबंधन है, दिल का गठबंधन नहीं है और वो दिल कैसे टूट रहा है और कैसे बिखर रहा है, आप सब देखते रहिए। भाजपा की जीत उनकी परिस्थितियों पर निर्भर नहीं है। हमारे कार्यकर्ताओं और जनता के आशीर्वाद से हम सातों सीटें जीतने जा रहे हैं।

सचदेवा ने कहा, यह एक अप्राकृतिक गठबंधन है जो दोनों पार्टियों के शीर्ष नेतृत्व ने अपने भ्रष्टाचार को बचाने के लिए बनाया है, लेकिन उनके कार्यकर्ताओं ने इसे कभी स्वीकार नहीं किया। कोई भी देशभक्त उस व्यक्ति के साथ खड़ा नहीं हो सकता, जो देश को विभाजित करने की बात करता है और देश के दुश्मनों के साथ खड़ा है। मुझे लगता है कि यह रेखा और भी खींची जाएगी क्योंकि कांग्रेस ने जिस तरह से अपने टिकट वितरित किए हैं, उसके खिलाफ कई अन्य लोग आवाज उठा रहे हैं।

लवली ने 2019 में पूर्वी दिल्ली से भाजपा के गौतम गंभीर और आप उम्मीदवार आतिशी के खिलाफ लोकसभा चुनाव लड़ा था और 24 प्रतिशत वोट हासिल किए थे। लवली दूसरे स्थान पर रहे थे। गंभीर ने 3।93 लाख वोटों से जीत हासिल की थी। लोकसभा चुनाव में भाजपा का मुकाबला करने के लिए इंडिया ब्लॉक में सहयोगी कांग्रेस और आप ने अलायंस किया है। आप दिल्ली में चार लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ रही है, वहीं कांग्रेस ने तीन सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं। दिल्ली की सात लोकसभा सीटों पर आम चुनाव के छठे चरण में 25 मई को मतदान होगा।

अशोक भाटिया